वर्ष-10//अंक-17// फरवरी 2023
ISSN 2454–5805
₹20/-

आम आदमी पत्रिका®

एक आम इंसान की सोच

RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

हर महीने भूपेश सरकार देगी

बेरोजगारी भत्ता

रायपुर में एरोसिटी बनाने का ऐलान

मकान बनाने के लिए 50 हजार रुपये अनुदान देने की योजना

12 घोषणाएं जो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान आंगनवाड़ी केंद्रों में बनने लगा पौष्टिक भोजन

धनवंतरी मेडिकल स्टोर्स योजना से जन जन तक सुलभ हो रही सस्ती दवाइयां

सौर सुजला योजना से बदल रही प्रदेश के किसानों की तकदीर

सीएम भूपेश बघेल ने दर्शकों के साथ बैठकर देखा मैच

Chhattisgarh
full of surprises
Chhattisgarh Tourism Board

Chhattisgarh Tourism

www.chhattisgarhtourism.in

Hareli Eco Resort, Barnawapara

Baiga Ethnic Resort, Sarodhadadar

Dandami Luxury Resort, Chitrakote

Kurdar Hill Eco Resort, Bilaspur

Our Resorts are

DESTINATION

itself

Call now for bookings :

1-800-102-6415

Saila Tourist Resort, Mainpat

Narayanpal Camp Resort, Chitrakote

Satrenga Boat Club & Resort, Korba

Karma Ethnic Resort, Kamleshwarpur, Mainpat

Sarna Ethnic Resort, Balachhapar

Dhankul Ethnic Resort, Kondagaon

Toll Free No. : 1800 102 6415 | Website : www.chhattisgarhtourism.in | Follow us on :

आम आदमी पत्रिका

वर्ष-10//अंक-17// फरवरी 2023

प्रबंध संपादक : उमेश के बंसी

सर्कुलेशन इंचार्ज : प्रकाश बंसी

रिपोर्टर : नेहा श्रीवास्तव

कंटेंट राईटर : प्रशांत पारीक

क्रिएटिव डिजाइनर : देवेन्द्र देवांगन

मैग्जीन डिज़ाइनर : युनिक ग्राफिक्स

मार्केटिंग मैनेजर : किरण नायक

एडमिनिस्ट्रेशन : निरूपमा मिश्रा

अकाउंट असिस्टेंट : प्रियंका सिंह

ऑफिस कॉर्डिनेटर : योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड,
कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़

फोन : 0771-4044047

ईल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम.
रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर
(छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

फरवरी 2023

इस अंक में

धनवंतरी मेडिकल स्टोर्स योजना से जन जन तक सुलभ हो रही सस्ती दवाइयां

दंतेवाड़ाः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सार्थक पहल से छत्तीसगढ़ के गरीब लोगों तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही है. 15

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान 10

कुपोषण एवं एनीमिया के कारण देश में हर साल लाखों बच्चों की मौत हो जाती है.

छत्तीसगढ़ में है फौजियों का एक गांव 18

कोंडागांव. छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले का केरावाही. यहां कि मिट्टी के कण कण में देशभक्ति का जज्बा है.

देसी दूल्हा और विदेशी दुल्हन ने रचाया हिंदू रीति से विवाह 28

उत्तर प्रदेश के जनपद एटा में इन दिनों देसी दूल्हा और विदेशी दुल्हन की शादी को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं.

पिता की मौत के बाद बेटी ने शुरू किया ड्रेस डिजाइनिंग का काम 29

"मेरे हौसलों की उड़ान अभी बाकी है, मेरे सपनों में जान अभी बाकी है, अभी तो धरती को नापा है जनाब, पूरा आसमान अभी बाकी है."

मोदी सरकार ने बजट से लिखी चुनावी स्क्रिप्ट 34

रायपुर. नए वित्तीय वर्ष के लिए भारत का बजट पेश हो चुका है. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में अंतिम बजट देश के सामने रखा.

मुकेश अंबानी बने एशिया के सबसे अमीर शख्स 38

मुंबई. भारतीय अरबपति गौतम अडानी ने बुधवार को एशिया के सबसे अमीर शख्स होने का तमगा खो दिया.

बजट के जरिये राहत देने और सुविधा बढ़ाने की कोशिश

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

बातों-बातों में निर्मला सीतारमण बडे सुधार कर गई हैं और इसके लिए वह बधाई की पात्र हैं. सरकारों को नौकरियों का वादा करना है, तो उन्हें अर्थव्यवस्था को मजबूत करना होगा और छोटे उद्योगों को कारगर बनाना होगा और नए साल का नरेंद्र मोदी सरकार का यह बजट ये दोनों काम करता दिखाई देता है.

हालांकि, युवा जनसंख्या और टैक्स देने वाले मध्य वर्ग को अगर अब भी शिकायत है, तो गलत नहीं है, क्योंकि साल में बीस लाख रुपये कमाने वाले, अपनी आय के प्रतिशत के तौर पर उतना ही टैक्स दे रहे हैं, जितना एक करोड़ रुपये तक कमाने वाला देगा. पंद्रह लाख से एक करोड़ रुपये तक की आय के बीच एक और स्लैब की मांग थी, जो पूरी नहीं हुई है. फिर भी यह एक बड़ा कदम है कि दस लाख का स्लैब अब पंद्रह लाख का हो गया, यानी दस लाख से ऊपर की आय पर तीस फीसदी टैक्स लग रहा था, जो अब पंद्रह लाख से ज्यादा की आय पर ही लगेगा.

साढ़े सात लाख रुपये तक की सालाना आय वाले करीब एक करोड़ करदाता करमुक्त हो गए हैं. इनको तमाम बीमा और टैक्स बचाने वाले आवास ऋण के झमेले से भी मुक्ति मिल गई है. पर बीमा और म्यूचुअल फंड कंपनियों को यह पंसद नहीं आया और न एलटीए, एचआरए पर टैक्स की छूट लेने वालों को यह भा रहा है.

युवाओं के लिए इस बजट में सीधे नौकरियां बढ़ाने की घोषणा नहीं के बराबर है. एक सौ चालीस करोड़ लोगों के देश में कुछ हजार शिक्षकों की भर्ती की योजना गिनवाना पर्याप्त नहीं, पर ऐसा नहीं है कि रोजगार का इंतजाम नहीं किया गया. छोटे उद्योगों के लिए कम से कम तीन बड़ी घोषणाएं की गई हैं, जिनका अच्छा असर नौकरियों पर पड़ेगा. कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया गया है. छोटी कंपनियों को सस्ते लोन देने के लिए दो लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं और इस तरह के उद्योगों को अब तमाम सरकारी फार्म भरते वक्त सिर्फ एक पैन नंबर भरकर काम चलाने की आसानी दी गई है. जब एमएसएमई मतलब छोटे और मझोले उद्योग आसानी से काम कर सकेंगे और बंद होने से बच जाएंगे, तो नौकरियां जरूर मिलेंगी. इसी तरह, दस लाख करोड़ रुपये की पूंजी को नए काम में लगाने से नई नौकरियां पैदा होंगी. जब दुनिया भर में मंदी हो, ऐसे समय में भारत में साढ़े छह-सात फीसदी की विकास दर नौकरियां पैदा करने का भरोसा दिलाती है.

छोटी कंपनियां करोना के वक्त से ही अधर में हैं. कई कारखाने खत्म हो गए और बहुत शोर भी नहीं हुआ. ऐसी कंपनियों को बचाने के लिए उन्हें सस्ता कर्ज तो देना ही है, उनके कागजी बोझ को कम करना भी जरूरी है. सीतारमण ने दावा किया है कि करीब 39,000 अनिवार्यताएं हटा दी गई हैं और 3,400 तरह की गलतियों को अपराध के दर्जे से हटा दिया है. यह इसलिए कि उद्यमी व्यवसाय पर फोकस कर सकें, वकीलों और अधिकारियों से दूर रहें.

रायपुर. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आरक्षण संशोधन विधेयकों को मंजूरी देने में कथित देरी को लेकर राज्यपाल पर संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सवाल किया कि विधेयक पर हस्ताक्षर करने के लिए क्या वह किसी 'मुहूर्त' का इंतजार कर रही हैं. मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी से एक दिन पहले, राज्यपाल अनुसुइया उइके ने आरक्षण संशोधन विधेयकों की मंजूरी पर किए गए सवालों पर कहा था कि अब मार्च तक इंतजार कीजिए.

आरक्षण विधेयक को मंजूरी में देरी पर फिर भड़के मुख्यमंत्री

पूछा - राज्यपाल को किस मुहूर्त का इंतजार है

राज्य विधानसभा द्वारा पारित आरक्षण विधेयकों पर राज्यपाल की सहमति में कथित देरी को लेकर दिसंबर से ही राजभवन और राज्य सरकार के बीच टकराव की स्थिति है. रविवार रात में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं ने राज्यपाल से आरक्षण विधेयकों पर उनकी सहमति को लेकर सवाल किया था. तब राज्यपाल ने कहा था कि अब इंतजार करिए मार्च का.

इस मुद्दे पर राज्यपाल पर लगातार निशाना साध रहे बघेल ने उनके एक पंक्ति के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की. मुख्यमंत्री ने सोमवार को मीडियाकर्मियों से कहा, "मार्च तक क्यों इंतजार करना चाहिए? क्या वह मुहूर्त देख रही हैं? यहां सब परीक्षाएं हो रही हैं. बच्चों को एडमिशन लेना है. व्यापमं की परीक्षाएं होनी हैं. पुलिस में भर्ती होनी है. शिक्षकों की भर्ती होनी है. हेल्थ में भर्ती होनी है. सारी भर्तियां रुकी हुई हैं और वह रोके बैठी हैं."

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने है. मार्च में ऐसा कौन का प्राप्त अधिकारों को दुरुपयोग वह (विधेयक को मंजूरी मुहूर्त निकलने वाला है जिसमें विधेयक तो दिसंबर में पास देंगी) करेंगी. आरक्षण संशोधन बैठी हैं. भारतीय जनता पार्टी हुआ है और अब तक वह रोके हुए जा रहा है. यह प्रदेश के युवाओं के चुप है. भाजपा के इशारे पर इसे रोका साथ अन्याय है."

छत्तीसगढ़ विधानसभा में दो दिसंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण) संशोधन विधेयक, 2022 और छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) संशोधन विधेयक 2022 पारित किया गया था. इनमें राज्य में अनुसूचित जनजाति को 32 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत, अनुसूचित जाति को 13 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है. इस विधेयक में राज्य में आरक्षण का कुल कोटा 76 फीसदी रखा गया है.

बीजेपी के राज में सबसे ज्यादा चर्च बने धर्मांतरण के नाम कर रही गुंडागर्दी : भूपेश बघेल

रायपुर. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने धर्मांतरण के आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि बीजेपी के राज में सबसे ज्यादा चर्च बने. हमने लगातार शिकायतों पर कार्रवाई भी की हैं. करीब 16 शिकायतें मिली, जिसमें 8 सही पाई गईं. बीजेपी इसके नाम पर गुंडागर्दी कर रही है. हम इसे रोकने के लिए हर संभव कार्य करने में लगे हैं. दरअसल, भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रायपुर से कटघोरा के लिए हेलीपैड से रवाना हुए. इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करने के दौरान कहा कि कटघोरा विधानसभा में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के तहत मैं जा रहा हूं हम लोग दो तिहाई विधानसभा कवर कर चुके. अब बहुत कम मैदानी क्षेत्र के विधानसभा बचे है जहां हमें भेंट मुलाकात करनी है.

4 साल में 8-9 लाख किसानों का बढ़ना अचीवमेंट

धान खरीदी का रिकार्ड इस बार टूटा है इसको आप कितना बड़ा अचीवमेंट मानते हैं? मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद किसानों के लिए जो हम लोगों ने किया, जो लोग खेती से विमुख हो गए थे, वह फिर से लौटे. बीजेपी के शासनकाल में 15 लाख थे. आज 22 से 24 लाख किसान धान बेच रहे हैं. 4 साल में 8-9 लाख किसानों का बढ़ना एक अचीवमेंट है पहले 60 लाख टन धान खरीदते थे इस बार 98 लाख टन धान पार हो गया. कृषि लाभदायक धंधा है तो वह छत्तीसगढ़ में है. बीजेपी के लोग कहते थे आए दोगुनी करेंगे उन्होंने खर्च दोगुना कर दिया हम लोगों ने सच में आय दोगुना कर दिया."

अरुण साव ने कहा है कि सारा पैसा केंद्र का है? मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कौन सा पैसा केंद्र का है बताएं , सांसद को कोयला रायल्टी का पैसा बचा है. वह हमें दे दें. सेंट्रल एक्साइज का जीएसटी का पैसा हमें दिला दें. वह दिलाते नहीं ट्रेन बंद करवा दिए. उस समय वह कुछ बोलते नहीं. सारे ट्रेन रद्द कर दिया लेकिन अरुण साव ने नहीं बोला. जो पैसा सभी राज्यों को मिलता है वह हमें मिला है. छत्तीसगढ़ का कोयला पूरे देश भर में उजाला फैला रहा है. इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान है. कोरोना में लॉकडाउन था, तभी भी हमने कोयला खदान बंद नहीं होने दिया, ट्रेन चलने दिया. देशभर में जितना स्ट्रक्चर बन रहा है वह हमारे स्टील प्लांट से जा रहा है छत्तीसगढ़ का योगदान कम है क्या बहुत ज्यादा है. जितना देर है जितना हमारा अधिकार उससे हमें कब मिलना है.

बीजेपी स्मार्ट सिटी का मुद्दा उठा रही, क्या आप करेंगे जांच?

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इनके पास कोई मुद्दा नहीं है. 4 साल तक सोए रहे चुनाव आ गया 6 महीने बचे हैं. हंटर वाली चली गई जामवाल भी असफल हुए. अब माथुर साहब आए हैं, वहीं चाबुक लगा रहे हैं और यह दौड़ रहे हैं, तो जहां तहां कोई भी मुद्दा उठा रहे हैं. अभी जिस प्रकार से बोल रहे रासुका लगा दिया. रासुका आप के शासनकाल में 9 बार लगा और अब यह अभियान चला रहे हैं. भूपेश सरकार में अघोषित आपातकाल तो इनके के शासनकाल में 9 बार लगा वो क्या था. यह लगातार गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं.

गुजरात की तर्ज पर यह विधानसभा चुनाव लड़ेंगे?

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मतलब यह है कि जो बीजेपी के 14 विधायक हैं. छत्तीसगढ़ में उन्हें भी टिकट नहीं मिलने वाली है. मुझे चिंता रमन सिंह और बृजमोहन की है उनकी भी टिकट या कट जाए. राहुल की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पहले तो वह कोरोना बता रहे थे, दिल्ली में तो केंद्र सरकार की पुलिस है वहां यह लोगों ने कौन सी सुरक्षा दे दी. दिल्ली में लिख कर देना पड़ा कि यहां सिक्योरिटी नहीं था. जब आपने 370 हटा दिया तो वहां पर सिक्योरिटी क्यों नहीं है. 2 साल हो गया वहां से 370 हटाए वहां तो अमन-चैन हो गया तो वहां सिक्योरिटी क्यों नहीं देंगे. आप पदयात्रा को रोकना चाहते हैं उस से घबराए हुए हैं कोई ना कोई बहाना कर कर उसे रोकना चाहते हैं. 1 दिन बीजेपी के लोग मास्क पहन लिया कि कोरोना फैल गया चिट्ठी राहुल गांधी को लिखा गया. उसके दूसरे दिन बाद कोरोना कही नही था.

सीएम भूपेश बघेल ने दर्शकों के साथ बैठकर देखा मैच

रायपुर: छत्तीसगढ़ के रायपुर में पहली बार इंटरनेशनल क्रिकेट मैच खेला गया. भारत-न्यूजीलैंड के बीच खेले गए इस मुकाबले को देखने के लिए राज्य के सीएम भूपेश बघेल भी पहुंचे. भूपेश बघेल के साथ राज्य सरकार के कई कैबिनेट मंत्री और सांसद भी मौजूद थे. मैच देखने के लिए राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला भी पहुंचे. रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में पहली बार इंटरनेशनल क्रिकेट मैच खेला गया है.

रायपुर में पहली बार इंटरनेशनल मैच

छत्तीसगढ़ के रायपुर में स्थिति शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में पहली बार इंटरनेशनल मैच हुआ. इस मैच को देखने के लिए सीएम भूपेश बघेल के साथ-साथ नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत समेत कई नेता मौजूद थे. बता दें कि छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले की पुलिस ने राजधानी में होने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के टिकटों की कालाबाजारी में शामिल नौ लोगों को गिरफ्तार किया था.

गठित की गई थी टीम

टिकटों की कालाबाजरी के जानकारी पुलिस को मिली थी. अधिकारियों ने बताया कि रायपुर में होने वाले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए रायपुर पुलिस ने एक विशेष दल गठित कर खोजबीन शुरू की है. इस दल ने ही सभी नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है.

दर्शकों के बीच देखा मैच

मैच देखने पहुंचे सीएम भूपेश बघेल ने यहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया. मुख्यमंत्री ने स्टेडियम का चक्कर लगाया, दर्शकों का अभिवादन किया. मुख्यमंत्री ने दर्शकों के साथ बैठकर मैच देखा. इस दौरान राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला भी मौजूद थे. बता दें कि मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे थे.

देश का दूसरा सबसे बड़ा स्टेडियम है

शहीद वीर नारायण सिंह देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट ग्रांउड है. इस स्टेडियम का निर्माण 2008 में हुआ था. इस स्टेडियम में 65 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है. वीर नारायण सिंह छत्तीसगढ़ के पहले वीर सपूत थे. जो अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ते-लड़ते अपनी कुर्बानी दे दी थी. उन्हें की याद में यह स्टेडियम बनाया गया है.

रवि शास्त्री से भी मुलाकात

मैच देखने पहुंचे सीएम भूपेश बघेल ने दर्शकों के साथ-साथ खिलाड़ियों से भी मुलाकात की. मैच की कमेट्री करने पहुंचे रवि शास्त्री से सीएम भूपेश बघेल ने मुलाकात की. छत्तीसगढ़ कांग्रेस की प्रभारी कुमारी शैलजा भी सीएम के साथ मैच देखने के लिए स्टेडियम पहुंचे. वहीं, सीएम के साथ उनके सलाहकार प्रदीप शर्मा भी मौजूद थे.

तुम मेरा साथ दो, मैं तुम्हें Hindu राष्ट्र दूंगा

रायपुरः बागेश्वर धाम सरकार लगातार चर्चा में बने हुए हैं. रायपुर में उन्होंने एक बार फिर से बड़ी बात कह दी है. इसके बाद नई बहस छिड़ गई है. उन्होंने सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कहा है कि तुम मेरा साथ दो, मैं तुम्हें हिंदू राष्ट्र दूंगा. रायपुर में बागेश्वर महाराज की कथा का अंतिम दिन है. पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अब चूड़ियां पहनकर घर में बैठने का वक्त नहीं है. आज लोगों ने मेरे ऊपर ऊंगलियां उठाई है. आगे सभी सनातनी के साथ ऐसा करेंगे. बागेश्वर सरकार ने कहा कि इतना सुनने के बाद अगर अपने घरों से नहीं निकले तो हम तुम्हें बुजदिल मानेंगे.

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भारत में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है, जिस पर ऊंगली नहीं उठी हो. सभी लोगों को कसौटी पर खरा उतरना पड़ा है. लोग हमसे पूछते हैं कि चमत्कार क्या है. पहला चमत्कार तो यही हो गया है कि भारत का हिंदू अब एक हो गया है. अगर दूसरा चमत्कार देखना है तो दरबार में आ जाना. उन्होंने कहा कि तीसरा चमत्कार यह है कि तुम प्रार्थना को बेकार मत जाने देना. बागेश्वर महाराज ने कहा कि हमें कोई राजनेता नहीं बनना है. हमें किसी पार्टी में नहीं जाना है.

उन्होंने कहा कि अगर ये बवाल है, विवाद है तो इसे बना रहने दीजिए. बागेश्वर महाराज ने कहा कि भारत के हर संत हमारे साथ है. धर्म के विरोधी लोग सनातनियों पर निशाना साधा है. हम आज घोषित करते हैं कि ये भारत हिंदू राष्ट्र है. इसके साथ ही कथा सुनने आए लोगों को बागेश्वर महाराज ने शपथ दिलाई है कि हम हिंदू राष्ट्र बनाने का कसम खाएं. साथ ही कहा है कि अगर कोई सनातन के ऊपर ऊंगली उठाए तो आपलोग मुंहतोड़ जवाब देना.

गौरतलब है कि बागेश्वर महाराज रायपुर में कथा सुना रहे थे. इस दौरान उन्होंने नागपुर से सवाल उठाने वाले लोगों को जवाब दिया है. बागेश्वर सरकार पंडित धीरेंद्र शास्त्री की बातों पर लगातार विवाद जारी है. इसके साथ ही वह कई राजनेताओं के निशाने पर भी आ गए हैं. वहीं, बागेश्वर महाराज ने रायपुर में ही मीडिया के सामने कथित चमत्कार का प्रदर्शन किया है.

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान

आंगनवाड़ी केंद्रों में बनने लगा पौष्टिक भोजन, स्वस्थ हुए बच्चे

कुपोषण एवं एनीमिया के कारण देश में हर साल लाखों बच्चों की मौत हो जाती है. लाखो बच्चों का जन्म के समय वजन भी कम होता है. उनकी हाइट नहीं बढ़ती, उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास की प्रक्रिया धीमी हो जाती है. इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार कई प्रयास कर रही है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर 'मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान' का शुभारंभ किया गया था. इस अभियान का बेहतर क्रियान्वयन जिले में देखने मिल रहा है.

7 हजार 498 बच्चें कुपोषण से हुए है मुक्त

मुख्यमंत्री सुपोषण योजना के तहत 7 नवम्बर 2022 से पौष्टिक आहार के रूप में अंडा, सोयाबीन आंगनबाड़ी केंद्रों में देना शुरू किया गया. 1 से 6 साल तक के 6 हजार 867 कुपोषित बच्चों को अंडा और 1 हजार 71 कुपोषित बच्चों को सोयाबीन दिया जा रहा हैं. आज 1 हजार 71 कुपोषित बच्चें जिन्हें पहले सोयाबीन बड़ी प्रदाय किया जा रहा था. उसे अतिरिक्त पौष्टिक आहार के रूप में मिलेट चिक्की हफ्ते में 6 दिन दी जा रही है. मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान योजना के तहत 12 हजार 75 बच्चों को चिन्हित किया गया था. जिसमें से 7 हजार 498 बच्चें कुपोषण से मुक्त हुए है.

जुड़वा बच्चो का वजन 500 ग्राम बढ़ा

बाल विकास परियोजना डौण्डी-2 के तहत सभी 6 सेक्टर मे 1 से 6 साल के सभी कुपोषित बच्चो को सप्ताह में पांच दिन अंडा दिया जा रहा है. जिसमें सेक्टर घोटिया के केन्द्र सिघोला क्रमांक-3 में जुड़वा बच्चो को अंडा दिया जा रहा था. जिससे दोनो का वजन नवम्बर 2022 में 11 किग्रा से बढकर 11.500 हो गया.

छत्तीसगढ़ में दिखा दुर्लभ चमगादड़, शरीर पर नारंगी-काले धब्बे और 38 दांत

छत्तीसगढ़ की कांगेर वैली में दुर्लभ प्रजाति का चमगादड़ मिला है. इसका रंग नारंगी है और शरीर पर नारंगी-काले रंग के धब्बे हैं. यह चमगादड़ बस्तर स्थित कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में एक केले के पेड़ के नीचे घोसला बनाकर रह रहा था. खास बात यह है कि इसे वैश्विक स्तर पर विलुप्तप्रायः श्रेणी में रखा गया है. देश में अब तक तीन बार ही चमगादड़ की यह प्रजाति देखने को मिली है. इसके मुंह में 38 दांत हैं और इसे इसकी खूबसूरती के चलते इसे बटरफ्लाई चमगादड़ भी कहा जाता है.

बस्तर की कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान कई दुर्लभ जीव-जंतु मिलने के लिए प्रसिद्ध है. अब अपनी तरह के इस अनोखे चमगादड़ के मिलने को वन विभाग बड़ी उपलब्धि मान रहा है. ऐसा लगता है कि किसी ने बेहद ही खूबसूरती के साथ इसे पेंट किया है. फिलहाल यह अनोखा जीव सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बना हुआ है. इसे विलुप्तप्राय श्रेणी में रखा गया है. कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में अबतक करीब 200 प्रजातियों के पक्षियों के पाए जाने के प्रमाण मिले हैं.

सिर का वजन 5 ग्राम और 38 दांत है

पक्षियों पर शोध कर रहे ऑर्निथोलॉजिस्ट रवि नायडू बताते हैं कि आमतौर पर इसे पेंटेड बैट के नाम से जाना जाता है, जबकि इस चमगादड़ का वैज्ञानिक नाम केरीवोला पिक्टा है. ये सामान्यत: सूखे इलाकों, सूखे केलों के पौधों के नीचे घोंसला बनाकर रहते हैं. इनके सिर का वजन करीब 5 ग्राम का होता है. चमगादड़ की ये प्रजाति भारत, चीन समेत कुछ एशियाई देशों में ही पाई जाती है. इसे 2019 में केरल, फिर 2020 में ओडिशा में देखा गया था.

नेशनल पार्क के संचालक और क्थ्ग गणवीर धम्मशील ने बताया कि पार्क में दिखने वाली दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों इसके अलावा वन्य जीवों के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार विभाग प्रयास करता आया है. चमगादड़ की 'केरिवोला पिक्टा' यह प्रजाति नेशनल पार्क में दिखना पूरे प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है. निश्चित तौर पर इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए विभाग की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं.

प्रजनन के लिए वैज्ञानिकों से ले रहे राय

डीएफओ धम्मशील ने बताया कि, पक्षियों पर शोध कर रहे हैं वैज्ञानिको की मदद से पता लगाया जा रहा है कि इन चमगादड़ो को किस तरह का वातावरण पसंद है और यह खाते क्या हैं और इनकी संख्या में बढ़ोतरी और प्रजनन के लिए इन्हें किस तरह का माहौल और वातावरण उपलब्ध हो इसकी भी जानकारी ली जा रही है. ताकि दुर्लभ और अनोखी प्रजाति का यह चमगादड़ इस नेशनल पार्क की शान बना रहे.

करोड़ो पैसे कमा रही है शेयर बाजार से छत्तीसगढ़ की बेटी कृतिका यादव, (CFP)

कौन है कृतिका यादव, (CFP) (USA)

18 साल की छोटी से उम्र में शेयर बाजार में कारोबार की शुरुवात करने वाली कृतिका यादव, आज बाजार से करोड़ो कमा रही और किसी पहचान की मोहताज नहीं है. कृतिका ने अपनी पढ़ाई डीपीएस भिलाई से की उसके बाद उन्हें फाइनेंस में रूचि हुई. पारिवारिक अड़चनों के बाद भी (CFP) (USA) करने का फैसला लिया.

CFP की परीक्षा दुनिया में सबसे कठिन मानी जाती है, इसे फाइनेंसियल प्लानिंग स्टैंडर्ड बोर्ड ऑफ इंडिया कंडक्ट करता है . इसमें 7 पेपर की परीक्षा देना पड़ता है. कृतिका ने न इसे सिर्फ पास किया बल्कि छत्तीसगढ़ राज्य की सबसे पहली महिला CFP बन गयी.

इसके साथ कृतिका की उपलब्धि किसी से कम नहीं है. कृतिका ने NMIMS से MBA में फाइनेंस भी किया हुआ है ,जो की एक मास्टर डिग्री है.

कितना कमाती हैं शेयर बाजार से कृतिका यादव

कृतिका यादव की कमाई शेयर बाजार से आसमान छू रही हैं विकीबायो के मुताबिक उनकी कुल संपत्ति 10 -15 करोड़ की हैं. शेयर बाजार में कृतिका अपने कुछ MultiBagger स्टॉक में, निवेश करती हैं. पिछले साल उन्होंने कई MultiBagger Stock खोजे जिसमे कई बड़े नाम जैसे RVNL, HIMADRI शामिल रहें. आप उनके वेबसाइट kritikatopstocks-com में ये शेयर की सूचि देख सकते हैं.

कृतिका यादव की कामयाबियों की दास्तान

कृतिका ने इस वर्ष कई सारे रिकॉर्ड अपने नाम किये है. कृतिका को उत्तीर्ण काम के लिए साल का यंग एंटरप्रेन्योर चुना गया है. दिल्ली में सरकारी समारोह में उन्हें यंग एचीवर इन फाइनेंस का किताब मिला, सरकार के तरफ से उन्हें वूमेन एचीवर अवार्ड से भी नवाजा गया. बिसनेस आउटरीच की मैगजीन में उन्हें 40 अंडर 40 के भी किताब से नवाजा गया.

सरकारी योजनाओं में भी देश की सेवा कर रही है करिश्माई कृतिका

देश भर में कृतिका यादव, सरकारी योजनाएं गाँव-गाँव तक पंहुचा रही है. चाहें पीपीएफ हो, या सुकन्या समृद्धि योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ये सबकी जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही है. टैक्स स्लैब की जानकारी, बजट की जानकारी हर चीज का विस्तार कृतिका कर रही है.

सोशल मीडिया में भी है कृतिका का जोरदार क्रेज, यूट्यूब में है 7 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स

कृतिका जितनी शेयर बाजार में प्रसिद्ध है उतनी है यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया में भी है. आज कृतिका यादव के 6 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स है उनके यूट्यूब चौनल जिसका नाम "कृतिका यादव" ही है. आप भी उनके वीडियो का लुत्फ हफ्ते में 2 बार उठा सकते है उनके अपने यूट्यूब चौनल में.

भविष्य में क्या करना चाहती है कृतिका

कृतिका ने बताया की वो अपने देश और राज्य में एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देना चाहती है, राज्य में रोजगार के नए अवसर युथ को देना चाहती है, इसके साथ समाज सेवी कामों को तेज करना चाहती हैं और भारत सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना चाहती हैं. इसके अलावा कृतिका अपने कंपनी का आईपीओ लाने के लिए अग्रसर हैं और उम्मीद हैं 2025 तक इसे मार्केट में ले आएँगी.

छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी से अब पर्यटकों को मिलेगा प्रकृति का प्यार

स्थानीय पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, रोजगार के साधन होंगे उपलब्ध

रायपुर. छत्तीसगढ़ के उत्तरी छोर पर स्थित सबसे ऊंची चोटी गौरलाटा पर्यटन के लिहाज से अविश्वसनीय स्थान है. स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा यहां लगातार प्रयास किया जा रहा था. बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कलेक्टर विजय दयाराम गौर-लाटा के स्थानीय निवासियों को रोजगार के नए संसाधनों के अवसर उपलब्ध कराने के लिए नई कार्ययोजना भी तैयार कर रहे थे. अब इन सभी बातों को तेजी से गति मिलेगी क्यूंकि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गौर-लाटा के महत्व को देखते हुए इसे पर्यटन स्थल के रूप मे विकसित करने की घोषणा की है.

छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी के रूप में है विख्यात गौर-लाटा

1225 मीटर ऊंची गौर-लाटा छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी है और भौगोलिक संरचना के अनुसार पाट प्रदेश से संबंधित है. इस चोटी से छत्तीसगढ़ और झारखंड की सीमा पर स्थित बड़े वन क्षेत्र की अद्भुत खूबसूरती नजर आती है. इस पहाड़ी पर कई गुफाएं और प्राकृतिक जलस्रोत भी हैं. फिलहाल ये स्थान स्थानीय लोगों के पर्यटन के लिए पहली पसंद है, लेकिन अब पर्यटन स्थल क्षेत्र घोषित होने से यह क्षेत्र बेहतर रूप में ऊभर कर सामने आएगा.

स्थानीय पर्वतारोहियों की पसंदीदा चोटी है गौर-लाटा

जिले के सामरी तहसील क्षेत्र के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की सबसे ऊंची चोटी गौर-लाटा की पहाड़ी फिलहाल स्थानीय पर्वतारोहियों की पसंदीदा जगह है और ट्रेकिंग के लिए भी प्रसिद्ध है. यहां अक्सर प्रशासनिक टीम और स्थानीय ग्रुप्स क्षेत्र को विकसित करने का संदेश लेकर गौर-लाटा की चढ़ाई करते हैं. हालांकि कठिन रास्तों के कारण पर्यटकों की अभी भी यहां से दूरी बनी हुई है. इस कठिनाई को आसान बनाने के लिए बलरामपुर जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा पहले से ही प्रयास किया जाता रहा है और अब मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद गौर-लाटा को बलरामपुर के गौरव के रूप में विकसित हो सकेगा जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलने के साथ ही पर्यटको को भी प्रकृति का प्यार मिल सकेगा.

धनवंतरी मेडिकल स्टोर्स योजना से जन जन तक सुलभ हो रही सस्ती दवाइयां

दंतेवाड़ाः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सार्थक पहल से छत्तीसगढ़ के गरीब लोगों तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही है. स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है. यही कारण है कि लोगों को रियायती दरों में उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए 20 अक्टूबर 2021 से श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर्स योजना शुरू की गई है. जिसके तहत जिले के आम जनता को कम से कम 50 प्रतिशत की छूट पर जेनेरिक दवाई एवं सर्जिकल आइटम सस्ती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही है. इस योजना के तहत दवाइयों की नियमित आपूर्ति हेतु जिले के अंतर्गत विभिन्न 5 स्थानों जैसे गीदम, दंतेवाड़ा, किरंदुल, बचेली और बारसूर में दुकानों का संचालन किया जा रहा है. जिले में संचालित जेनेरिक मेडिकल स्टोर में 251 जेनरिक दवाइयां, 27 सर्जिकल उत्पाद, 69 हर्बल उत्पाद की दवाइयां बिक्री की जा रही है. जो सस्ती होने के साथ गुणवत्तापूर्ण पूर्ण भी है.

इससे सभी आय वर्ग के लोगों को समानता से कम कीमत पर दवा उपलब्ध हो रही है. अब निम्न वर्ग के लोग भी दवाई ले रहें है.इस योजना के तहत जिले में 21 हजार 274 हितग्राही लाभान्वित हुए है. श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर से उपभोक्ताओं को सस्ते मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही है. उपभोक्ताओं को दवाइयों पर न्यूनतम 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिल रहा है. शुरू की गई इस जनहित ऐसी योजना श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर से निम्न दरों पर दवाइयां मिलने से लोगों को आर्थिक मदद मिल रही है. महंगी होती स्वास्थ्य सेवा के दौर में यह योजना गरीबों के अलावा मध्यम वर्गीय परिवार के लिए वरदान साबित हो रही है. जरूरतमंदों को समय पर ही दवाइयों की आपूर्ति हो जाती है.

बस्तर की अनोखी परंपरा,

यहां शादी में अग्नि को नहीं, पानी को साक्षी मानकर पूरी होती हैं रस्मे

रायपुर. मकर संक्रांति से देशभर में शादी-विवाह के लिए शुभ मुहूर्त शुरू हो गए हैं. देश के अलग-अलग हिस्सों में शादियों के दौरान कई तरह की परंपराएं या रस्में निभाई जाती हैं. हर राज्य और यहां तक कि क्षेत्र में भी कुछ परंपराएं एकदूसरे से बिलकुल अलग हैं. देश में ज्यादातर जगहों पर अग्नि को साक्षी मानकर शादी की रस्में पूरी की जाती हैं. वहीं, छत्तीसगढ़ के बस्तर में आदिवासी समाज के लोग पानी को साक्षी मानकर शादी की रस्में पूरी करते हैं. ये परंपरा यहां काफी लंबे समय से चली आ रही है. यहां के आदिवासी समाज हमेशा से प्रकृति की पूजा करते हैं. यहां के लोगों ने शादियों में होने वाले फिजूलखर्च पर रोक लगाने के लिए ये परंपरा शुरू की थी.

छत्तीसगढ़ का धुरवा समाज शादी में ही नहीं, बल्कि अपने सभी शुभ कार्यों में पानी को साक्षी मानकर रस्में पूरी करता है. ये समाज पानी को अपनी माता मानता है. इसलिए पानी को बहुत ज्यादा अहमियत देता है. धुरवा समाज मूल रूप से बस्तर के ही रहने वाले हैं. धुरवा समाज की पुरानी पीढ़ी कांकेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के पास रहती थी. इसलिए लगातार कांकेर नदी के पानी को साक्षी मानकर शुभ कार्य करती थी. आज भी कांकेर नदी से पानी लाकर नवदंतियों पर छिड़का जाता है और शादी की रस्में पूरी की जाती हैं.

भाई की बहन से ही कराई जाती है शादी

धुरवा समाज में शादी की एक और अनोखी परंपरा है. जहां पूरे देश में दूर के भाई-बहन की भी शादी नहीं की जाती है. वहीं, इस आदिवासी समाज में भाई और बहन की ही शादी की जाती है. हालांकि, यहां एक माता-पिता के बच्चों की शादी में आपस नहीं कराई जाती, बल्कि बहन की बेटी से मामा के बेटे का विवाह होता है. ऐसा करने से मना करने वाले लोगों पर जुर्माना लगाया जाता है. धुरवा समाज में दहेज के लेनदेन पर सख्त पाबंदी है.

दूल्हा-दुल्हन ही नहीं, पूरा गांव लेता है फेरे

बस्तर के ज्यादातर आदिवासी जंगलों पर आश्रित हैं. इसलिए वे फिजूलखर्च से बचते हैं. लिहाजा, आज भी पुरानी मान्यताओं के मुताबिक लोग हर शुभ कार्य में पेड़ और पानी की पूजा करते हैं. बस्तर के आदविासी समाज में जब शादी होती है तो सिर्फ दूल्हा-दुल्हन ही नहीं, बल्कि पूरे गांव के लोग फेरे लेते हैं. यहां की शादियों में सेमल के पेड़ के साथ नदी, नाले, तालाब और कुएं के पानी का इस्तेमाल किया जाता है. इसे यहां के लोग देव जल कहते हैं. कांकेर नेशनल पार्क के आसपास के इलाकों के अलावा सुकमा जिले के कई इलाकों में भी धुरवा समाज के लोग रहते हैं.

राजनांदगांवः राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव क्षेत्र में नल-जल योजना की खुदाई के दौरान ग्रामीणों को मुगल कालीन 65 चांदी की सिक्के और धातु के आभूषण मिले है. सिक्कों को दो दिनों तक ग्रामीणों ने अपने पास रखा. लेकिन सरपंच की समझाइश के बाद उसे पुलिस के सौंप दिया. अब धातु की जांच करवाई जाएगी. बता दें कि राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव क्षेत्र के ग्राम बरगांवचारभाठा मे ग्रामीणों द्वारा नल-जल योजना के तहत अपने ग्राम की गली में खुदाई की जा रही थी. इसी दौरान जमीन के अंदर पुराने मिटटी पात्र जैसा दिखाई दिया. जिसे खोदकर ग्रामीणों ने बाहर निकाला, तो उस पात्र में कुछ पुराने जमाने के 65 नग चांदी के सिक्के एंव धातु के बने कुछ आभूषण मिले.

नल-जल योजना के लिए हो रही थी खुदाई तभी जमीन से निकले 65 चांदी के मुगलकालीन सिक्के

अरबी भाषा की लिखावट लिखी

सिक्कों में आरबी भाषा की लिखावट से यह मुगल काल का सिक्का प्रतित हो रहा था. जिसे दो दिन तक ग्रामीणों ने अपने पास रखा और सरपंच की समझाइश के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया. जिसके बाद पुलिस ने मामले की सूचना कलेक्टर को दी और इसके बाद पुरातत्व विभाग को सूचित किया गया. इस मामले में डोंगरगांव थाना प्रभारी भरत बरेठ ने कहा कि पुरातत्व विभाग की टीम क्षेत्र का सर्वे कर रही है. उनके द्वारा ही सिक्के किस काल के हैं, यह बताया जाएगा.

जांच में जुटी पुलिस

प्राचीन काल के सिक्के मिलने की सूचना प्राप्त होते ही पुरातत्तव विभाग से उप संचालक प्रताप पारख अपनी टीम के साथ क्षेत्र का निरीक्षण कर रही है. बरगांव चारभाठा की जमीन से चांदी के 65 सिक्कों के साथ दो ऐठी एंव तीन अन्य अभूषण मिले हैं. जिस पर मुगल कालीन अरबी भाषा में लिखा होना पाया गया है. बहरहाल पुरातत्व विभाग की टीम इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है.

कोंडागांव. छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले का केरावाही. यहां कि मिट्टी के कण कण में देशभक्ति का जज्बा है. इस गाँव की माटी ऐसी है कि अब तक इस गाँव से जवानों की एक बटालियन देश सेवा कर रही है. कोई सेना में है तो कोई आईटीबीपी. गांव के बुजुर्ग भी अपने बच्चों से कहते है कि तुम देश की सेवा करो..घर और गांव हम संभाल रहे हैं.

छत्तीसगढ़ में है फौजियों का एक गांव

हर घर से एक युवक कर रहा देश की सरहदों की रक्षा

जानकारी के अनुसार, जिला मुख्यालय से करीब 18 किलोमीटर दूर केरावाही गाँव के 630 घरों से हर कोई देश की सेवा में लगा है. गांव के युवाओं को देश भक्ति का पाठ किसी और ने नहीं, गाँव से फोर्स में गए बुजुर्गों ने ही पढ़ाया है. एसएफ से रिटायर्ड हुए लखमू राम ने बताया कि वे जब भी छुट्टी में आते थे तो गांव में बच्चों को ट्रेनिंग देते थे.

गांव के बन्नू राम कहते है कि मेरा भाई और एक बेटा देश की सेवा कर रहे हैं . बुधनी ने कहती है कि उनके तीन बेटे हैं, जिनमें से दो मेरी सेवा कर रहे है और एक बेटे को भारत मां की सेवा के लिए भेजा है.

केरावाही गाँव की आबोहवा ही कुछ ऐसी है कि यहां के युवाओं में देश सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी है .

पवन कुमार जम्मू से छुट्टी पर घर आए हैं और बताय कि वह पांच बहनों का एकलौता भाई है. जवान पवन कुमार ने बताया कि पिता जी ने कहा है कि तुम देश की सेवा करो और घर हम संभालेंगे. गाँव के सरपंच राजकुमार कहते है कि मुझे गर्व होता है कि मैं इस गांव का सरपंच हूं. वह कहते हैं कि जिस गाँव की माटी में देश भक्ति की खुशबू हो, वहां रहने वालों का सीना गर्व से चौड़ा होता है.

इलायची केले की खेती गजब का मुनाफा

हर साल 28 लाख की कमाई...

रायपुर. खेती से सालाना लाखों की कमाई की जा सकती है. यह कारनामा महाराष्ट्र के एक सिविल इंजीनियर ने किया है. सोलापुर निवासी इंजीनियर अभिजीत ने साल 2015 में इलायची केले की खेती करने का फैसला किया. उन्होंने 7 एकड़ में इसकी खेती शुरू की. उन्होंने खाद के रूप में गाय के गोबर और गोमूत्र का इस्तेमाल किया. अब वह इस खेती से सालाना 28 लाख रुपये कमा रहे हैं.

इलायची केले की खेती में तगड़ा मुनाफा

शुरूआती दौर में अभिजीत को बाजार की ज्यादा समझ नहीं थी उन्हें इलायची केले बेचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था. किसान के मुताबिक, इन सभी चुनौतियों से पार पाने के बाद अब उन्हें प्रति एकड़ 4 लाख रुपये की आमदनी हो रही है. इस दौरान उन्हें एक एकड़ में 65 से 70 हजार रुपए ही खर्च आता है. वहीं 7 एकड़ की कीमत करीब 5 लाख रुपए है. इससे वह 28 लाख तक की कमाई कर रहे हैं.

सोलापुर इलायची केले की खेती का हब बनता जा रहा है

वर्तमान में कई किसान सोलापुर के वाशिम्बे क्षेत्र में 500 एकड़ से अधिक में इलायची केले की खेती कर रहे हैं. पहले केले की इस किस्म की खेती केवल तमिलनाडु और कर्नाटक में की जाती थी. हालांकि अब महाराष्ट्र के सोलापुर में भी इसकी खेती बड़े पैमाने पर शुरू हो गई है. इस केले की बिक्री भी बढ़ रही है.

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

इलायची केले में कई तरह के प्रोटीन पाए जाते हैं. इसके अलावा यह भी माना जाता है कि इलायची और केले के सेवन से कई बीमारियां दूर होती हैं. इलायची केला दिखने में हरा और लंबाई में केवल 2 से 4 इंच और आकार में गोल होता है. वहीं, इलायची केले की मिठाई से ज्यादा मीठी होती है.

हर महीने भूपेश सरकार देगी बेरोजगारी भत्ता

रायपुर. 74 वें गणतंत्र दिवस के मौके छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश ने जगदलपुर के मंच से प्रदेशवासियों के लिए विभिन्न घोषणाएं की है. इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भूपेश बघेल ने राज्य के बेरोजगारों को हर महीने बेरोजगारी भत्ता देने का ऐलान किया है. छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी युवाओं को अगले वित्तीय वर्ष से बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा. वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बेरोजगारों को भत्ता देने का वादा किया था.

सीएम ने 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली. इसके बाद सीएम ने ट्वीट के माध्यम से बेरोजगारी भत्ते की घोषणा की. उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, "प्रदेश के बेरोजगारों को अगले वित्तीय वर्ष से हर महीने बेरोजगारी भत्ते की घोषणा करता हूं."

रायपुर में एरोसिटी बनाने का ऐलान

बघेल ने बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर के लालबाग परेड मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए रायपुर विमानतल के करीब एरोसिटी बनाने, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजना शुरू करने एवं निर्माण श्रमिकों के लिए मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना शुरू करने समेत कई घोषणाएं कीं. उन्होंने कहा कि

रायपुर एयरपोर्ट में यात्री सुविधाओं को बढ़ावा देने, एयरपोर्ट एरिया के कमर्शियल विकास और रोजगार सृजन के लिये स्वामी विवेकानंद विमानतल के पास एयरोसिटी विकसित की जाएगी.

मकान बनाने के लिए 50 हजार रुपये अनुदान देने की योजना

बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में लगातार 3 साल पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को अपना मकान बनाने के लिए 50 हजार रुपये अनुदान देने की योजना लाई जाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कुटीर उद्योग आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और रोजगार एवं लोगों की आय बढ़ाने के लिये ग्रामीण उद्योग नीति बनाई जाएगी. उन्होंने कहा कि महिला समूहों, महिला उद्यमियों और महिलाओं के स्टार्ट अप को उद्योग स्थापित करने में मदद करने के लिए नवीन योजना शुरू की जाएगी.

ये है वो 12 घोषणाएं जो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की

घोषणा - 1 प्रदेश में आदिवासी पर्व सम्मान निधि की घोषणा–छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज की संस्कृति और पर्वों के संरक्षण के लिये राज्य सरकार कटिबद्ध रही है.आगामी वित्तीय वर्ष से सरकार बस्तर संभाग, सरगुजा संभाग और प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समाज के पर्वों के उत्तम आयोजन के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत को 10 हजार रूपये प्रतिवर्ष प्रदान करेगी.

घोषणा - 2 युवाओं को मिलेगा बेरोजगारी भत्ता. अगले वित्तीय वर्ष से बेरोजगारों को हर महीने बेरोजगारी भत्ता दिया जायेगा. आपको बता दें की कांग्रेस सरकार ने सरकार में आने से पहले शिक्षित युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था.

घोषणा - 3 महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन के लिए शुरू होगी नई योजना. महिला समूहों महिला उद्यमियों, महिला व्यवसायियों और महिला स्टार्ट अप को व्यापार उद्योग स्थापित करने के लिए नए योजना शुरू की जायेगी.

घोषणा - 4 छत्तीसगढ़ राज्य में गठित होगा नवाचार आयोग. छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत को सहेजने और संजोने के बाद छत्तीसगढ़ को प्रगति पथ पर अनवरत आगे बढ़ाने के लिये राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग का गठन किया जायेगा.

घोषणा - 5 राज्य में बनेगी एयरोसिटी रायपुर एयरपोर्ट में यात्री सुविधाओं को बढ़ावा देने, एयरपोर्ट क्षेत्र के वाणिज्यिक विकास और रोजगार सृजन के लिये मैं स्वामी विवेकानंद विमानतल के पास एयरोसिटी विकसित की जाएगी.

घोषणा - 6 राज्य में बनेगी ग्रामीण उद्योग नीति.छत्तीसगढ़ में कुटीर उद्योग आधारित ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, रोजगार और लोगों की आय बढ़ाने के लिये ग्रामीण उद्योग नीति बनाई जायेगी.

घोषणा - 7 औद्योगिक इकाईयों को संपत्ति कर से मिलेगी मुक्ति. उद्योग विभाग द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित इकाईयों को संपत्ति कर के भार से मुक्त किया जायेगा.

घोषणा - 8 जीवनदायनी खारून नदी पर बनेगा रिवर फ्रंट. रायपुर और दुर्ग जिले की जीवनदायिनी और जन आस्था का केंद्र खारून नदी व्यापार और मनोरंजन का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र है. खारून नदी पर उत्कृष्ट रिवर फ्रंट विकसित करने की मैं घोषणा करता हूँ.

घोषणा - 9 विद्युत शिकायत के निराकरण के लिए बनेगी आधुनिक ऑनलाईन निराकरण प्रणाली. बिजली बिल हाफ योजना को मिले उत्कृष्ट प्रतिसाद के बाद मैं घोषणा करता हूँ कि बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा के लिये अत्याधुनिक ऑनलाईन शिकायत और निराकरण प्रणाली विकसित की जायेगी.

घोषणा - 10 निर्माण श्रमिकों के लिए मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना होगी शुरू. छत्तीसगढ़ भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में लगातार तीन साल पंजीकृत निर्माणी श्रमिकों को स्वयं का मकान बनाने के लिए 50 हजार रूपये अनुदान देने की योजना लाई जायेगी.

घोषणा - 11 राज्य में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय रामायण / मानस महोत्सव का होगा आयोजन. छत्तीसगढ़ की जनता की अगाध आस्था भांचा राम और माता कौशल्या में है. हर साल हम राष्ट्रीय रामायण / मानस मंडली महोत्सव आयोजित होंगे.

घोषणा - 12 चंदखुरी में प्रतिवर्ष आयोजित होगा माँ कौशल्या महोत्सव छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की धरती है अब हर साल चंदखुरी में कौशल्या महोत्सव आयोजित किया जाएगा.

मारुति सुजुकी ने दिया तगड़ा झटका, सभी मॉडल्स के बढ़े दाम

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने ग्राहकों को तगड़ा झटका दिया है. अपने सभी कार मॉडल्स की कीमतें बढ़ाने का ऐलान किया है. इससे अब मारुति कार खरीदने की तैयारी कर रहे लोगों को ज्यादा रकम चुकानी होगी. मारुति ने इससे पहले पिछले साल दिसंबर 2022 में अपने वाहनों की कीमत में संशोधन किया था.

ऑटोमोबाइल क्षेत्र की प्रमुख निर्माताओं में से एक मारुति सुजुकी ने सोमवार को कहा कि वह 16 जनवरी से अपने सभी मॉडलों की कीमतों में करीब 1.1 फीसदी की बढ़ोतरी करेगी.

कीमत बढ़ने की वजह लागत में बढ़ोतरी को माना जा रहा है. क्योंकि, पिछले कुछ सालों से बढ़ती लागत की वजह से ऑटो कंपनियां नियमित रूप से कीमतें बढ़ा रही हैं. मारुति सुजुकी इंडिया के अध्यक्ष आरसी भार्गव ने कहा कि मूल्य वृद्धि का हमेशा बिक्री पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, लेकिन हम अभी भी नहीं जानते हैं कि कीमतें कितनी बढ़ेंगी और इनपुट लागत और विदेशी मुद्रा का क्या होगा. ये ऐसी अनिश्चितताएं हैं जो हमेशा रहेंगी.

अब कार खरीदने के लिए कितने पैसे देने होंगे

जानकारों के मुताबिक मारुति सुजुकी की नई कीमतों के मुताबिक अगर 16 जनवरी या उसके बाद कोई गाड़ी खरीदी जाती है तो उसकी कीमत 1.1 फीसदी ज्यादा चुकानी होगी. ऐसे में अगर आप मारुति सुजुकी की बलेनो का बेस मॉडल खरीदने जा रहे हैं और इसकी कीमत 6.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम कीमत) है, तो आपको नई कीमत के हिसाब से करीब 7,000 रुपये ज्यादा चुकाने पड़ सकते हैं. यानी अब कीमत 6.49 लाख रुपये करनी होगी.

आगामी चुनावों को एकजुट होकर लड़ेगी महाविकास अघाड़ीः शरद पवार

मुंबईः बीबीसी की डाक्युमेंट्री पर प्रतिबंध लगाने के केंद्र के फैसले की आलोचना करते हुए एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार ने इसे लोकतंत्र पर 'हमला' करार दिया. हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) के साथ गठबंधन करने वाले वीबीए के एमवीए में शामिल होने के संबंध में पवार ने कहा, 'कोई प्रस्ताव नहीं है. साथ ही, उन्होंने दोहराया कि एमवीए आगामी चुनाव एकजुट होकर लड़ेगा. पवार ने कहा कि अगले सप्ताह नई दिल्ली में शुरू होने वाले संसद सत्र के साथ, सभी नेताओं के साथ एक राष्ट्रीय एकजुट विपक्षी मोर्चा बनाने के प्रयास फिर से शुरू होंगे. कोल्हापुर में एक कार्यक्रम के दौरान शरद पवार ने कहा, 'इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि राज्य चुनावों के बाद बीजेपी कर्नाटक में सत्ता बरकरार नहीं रखेगी.

हम विपक्षी दलों को एकजुट करने और एक संयुक्त मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सभी राज्यों में अलग-अलग स्थानीय मुद्दे हैं, जिनसे निपटने की जरूरत है.' कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर टिप्पणी करते हुए पवार ने कहा कि इसने आम नागरिकों का समर्थन हासिल कर लिया है, जैसा कि उन्हें मिल रही प्रतिक्रिया से देखा जा सकता है. उन्होंने कहा कि इसके अलावा कांग्रेस नेता (राहुल) की जो भ्रामक छवि बनाने की कोशिश की गई थी, उसे राष्ट्रव्यापी मार्च के माध्यम से तोड़ दिया गया है.

कर्नाटक विधानसभा चुनाव हार सकती है बीजेपी

एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक सत्तारूढ़ बीजेपी के नियंत्रण से बाहर होता जा रहा है. अगले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता परिवर्तन हो सकता है. पवार ने कहा कि हाल ही में जनमत सर्वेक्षण के परिणामों से पता चला है कि जनता का मूड बीजेपी के खिलाफ जा रहा है और अगले चुनावों में इसे बड़ा झटका लग सकता है. लोग अब धार्मिक मुद्दों पर मतदान नहीं करेंगे. जनता को धार्मिक आधार पर विभाजित किया जा रहा है, जो अब काम नहीं करेगा.

सौर सुजला योजना से बदल रही प्रदेश के किसानों की तकदीर, भारी भरकम बिजली बिल से मिला छुटकारा

सौर सुजला योजना ने कांकेर जिले के हजारों किसानों को और उनके परिवारों को बिजली बिलों की चिंता से मुक्त कर दिया है. सोलर पम्प सूरज की रोशनी से चलता है, इसलिए किसानों को बिजली बिल जमा करने की चिंता नहीं होती है. इस योजना के तहत किसानों को लाखों रुपये कीमत के सोलर सिंचाई पम्प सिर्फ कुछ हजार रुपये में आसानी से मिल रही है. इन सोलर पम्पों से उन्हें बारहमासी सिंचाई सुविधा भी मिलने लगी है.

योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा तीन हॉर्सपावर और पांच हार्सपावर क्षमता वाले सौर ऊर्जा संचालित सिंचाई पम्प किसानों को बेहद कम कीमत पर दिया जा रहा है. लगभग साढ़े तीन लाख रुपये की लागत के तीन एचपी क्षमता वाले पम्प अनुसूचित जाति-जनजाति के किसानों को सात हजार रुपये में और अन्य पिछड़ा वर्ग के किसानों को बारह हजार रुपये के साथ सामान्य वर्ग के किसानों को अट्ठारह हजार रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है. इसके लिए तीन हजार रुपये प्रोसेसिंग शुल्क भी निर्धारित है. लगभग साढ़े चार लाख रुपये लागत के पांच हॉर्सपावर क्षमता वाले पम्प अनुसूचित जाति-जनजाति के किसानों को दस हजार रुपये, पिछड़ा वर्ग के किसानों को 15 हजार रुपये और सामान्य वर्ग के किसानों को 20 हजार रुपये में उपलब्ध कराए जा रहे हैं. इन पम्पों के लिए चार हजार आठ सौ रुपये का प्रोसेसिंग शुल्क भी निर्धारित किया गया है. शेष राशि शासकीय अनुदान के रूप में सरकार वहन कर रही है. योजना का संचालन छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा किया जा रहा है.

विकासखण्ड चारामा अंतर्गत ग्राम तारसगांव के किसान सगनी बाई ने बताया कि पहले उन्होंने अपने खेत में बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन दिया था, लेकिन लागत ज्यादा होने के कारण खेत तक बिजली लाईन नहीं पहुंच पायी, जब उन्हें सौर सुजला योजना की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत आवेदन दिया. जिस पर छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा उनके खेत में मात्र दस हजार रुपये में तीन हॉर्सपावर का सोलर पंप स्थापित किया गया. इसके बाद से उनके दो एकड़ बंजर भूमि को सिंचाई सुविधा मिली. वे अब इसके 90 डिसमिल भूमि में लाख की खेती कर रहे हैं, जिसके उत्पादन से प्रतिवर्ष 01 लाख 50 हजार रुपये तक का मुनाफा हो रहा है, साथ ही साथ 50 डिसमिल भूमि में सिंचाई कर जिमी कंद, अदरक, बैगन इत्यादि की भी खेती कर रहे हैं, जिससे उनके आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है. सौर सुजला योजना के तहत् कम लागत में सोलर पम्प लगने से कृषक शगनी बाई बहुत खुश हैं.

सूरजपुर के 7,398 हितग्राहियों मिला लाभ

सौर सुजला योजनांतर्गत कृषकों को बेहतर सिंचाई आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सोलर सिचाई पम्पों की स्थापना वर्ष 2017-18 से किया जा रहा है. इस योजनांतर्गत सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिये 03 एच.पी. और 05 एच.पी. क्षमता के सौर सिंचाई पम्प की स्थापना में शासन द्वारा लगभग 95 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है. वर्तमान में सूरजपुर जिला अंतर्गत कुल 7,398 हितग्राहियों के सौर सुजला योजनांतर्गत सिंचाई पंपों की स्थापना की गई है, हितग्राही इसका लाभले रहे हैं. इस योजना अंतर्गत लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार के कृषि विभाग और क्रेडा द्वारा किया जाता है. सौर सुजला योजना का मुख्य उद्देश्य रियायती दरों पर सिंचाई पम्प प्रदान कर कृषकों को सशक्त बनाना है. इस योजना से न केवल किसान अपनी भूमि पर खेती करने के लिए अधिक सक्षम होंगे, बल्कि इस योजना के तहत ग्रामीण छत्तीसगढ़ में कृषि और ग्रामीण विकास को मजबूत बनाने में भी मदद मिल रही है. यह उन किसानो के लिये एक वरदान की तरह है, जो विद्युत कनेक्शन न होने के कारण सिंचाई से वंचित थे. इस योजना का लाभ उन कृषको को दिया जा रहा है जिनके पास जल स्त्रोंत जैसे-नदी, तलाब, कुआं और बोरवेल पहले से ही उपलब्ध है. इस योजना से लाभान्वित हितग्राही पहले एक ही फसल ले रहे थे, परंतु सोलर पंप स्थापना के बाद कृषक 02 से अधिक फसल एवं साग, सब्जियों का उत्पादन कर रहे है. जिससे उनके आय में निरंतर वृद्धि कर आर्थिक स्थिति मजबुत हुआ है. जिससे उनके जीवन स्तर में भी सुधार हो रहा है.

बिहार में पनप रहे नक्सली: औरंगाबाद में गुफा से 162 IED बरामद

औरंगाबाद: बिहार में इन दिनों नक्सली पनप रहे हैं. यहां अपराध बढ़ता जा रहा है. कहीं जहरीली शराब से लोग मर रहे हैं. तो कहीं शराब माफिया पर कार्यवाई करने गई पुलिस पर हमला होता है. हत्या, लूट और चोरी के अनगिनत मामले आ रहे हैं. इसी बीच एक बड़ी खबर आ गई है. यहां औरंगाबाद में पुलिस ने 162 IED बरामद किए हैं. पुलिस और सुरक्षाबलों का सर्च अभियान जारी है. हथियारों का इतना बड़ा जखीरा मिलने से प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है.

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने बताया कि बिहार में नक्सलियों के खिलाफ सघन अभियान में पुलिस ने 162 आईईडी बरामद किए. नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगाए गए हथियार और गोला-बारूद बरामद करने के लिए अभियान जारी है. पुलिस ने औरंगाबाद में 13 आईईडी नष्ट किए और पास की एक गुफा से एक-एक किलो वजन के 149 आईईडीएस बरामद किए गए जिन्हें नष्ट करने का काम चल रहा है.

बिहार में हुई इस घटना के बाद सवाल उठता है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में हथियार आए कहाँ से? या फिर इसे बनाने का काम यहीं चल रहा था. सवाल उठता है कि क्या नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश में थे. जिसे पुलिस पर सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. सर्च अभियान जारी है.

वहीं दूसरी ओर एक दूसरे मामले में बिहार के शराब माफियाओं ने छापेमारी के दौरान पुलिस टीम पर हमला किया. पुलिसकर्मी अखिलेश कुमार ने बताया कि जब हम उन लोगों को गिरफ्तार कर ला रहे थे तब 4-5 लोगों ने पीछे से आकर हमसे बहस की और फायरिंग कर दी. पथराव भी किया. आरा के घाघा गांव के महादलित टोला से सूचना मिली थी कि वहां अवैध शराब बनाकर बेची जा रही है. हमारी टीम वहां छापेमारी करने पहुंची थी. छापेमारी के बाद 3-4 लोगों को गिरफ्तार किया गया. कागजी कार्रवाई के दौरान 20-30 लोगों ने हम पर हमला किया.

फरवरी 2023 में लॉन्च होगी ये कारें

अगर आप कारों के शौकीन हैं और कार खरीदना चाहते हैं तो फरवरी का महीना आपके लिए खुशखबरी लेकर आने वाला है. इस महीने कई कारें लॉन्च होने वाली है. तो चलिए आपको साल 2023 के दूसरे महीने में लॉन्च होने वाली कारों के बारे में बताते हैं.

हुंडई वरना

साल 2023 के फरवरी महीने में नई हुंडई वरना सेडान की भारतीय मार्केट में लॉन्च हो सकती है. ये मौजूद वरना की फेसलिफ्ट वर्जन होगी. इसकी कीमत 10 लाख से 16 लाख तक हो सकती है. फिलहाल इसकी टेस्टिंग चल रही है. इसमें एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम, क्रूज कंट्रोल, डिजिटल इंस्ट्रूमेंटल क्लस्टर और पावरफुल पावरट्रेन दिया जा सकता है.

मारुति सुजुकी फ्रोंक्स

फरवरी में मारुति सुजुकी नई गाड़ी लॉन्च करेगी. कंपनी की नई कूपे एसयूवी फ्रोंक्स को भारतीय मार्केट में लॉन्च करेगी. इस गाड़ी को हार्टेक्ट प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है. इसमें 1.0 लीटर का बूस्टरजेट टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है. इसे 5 वेरिएंट में लॉन्च किया जा सकता है. इसकी शुरुआती कीमत 6 लाख रुपए हो सकती है.

टाटा हैरियर फेसलिफ्ट

टाटा मोटर्स अपनी टाटा हैरियर को फेसलिफ्ट वेरिएंट में लॉन्च करने वाली है. इसकी कीमत 25 लाख से शुरू होकर 23 लाख तक हो सकती है. इसमें लंबा बोनट, चौड़ा एयर डैम और नई एलईडी डे टाइम रनिंग लाइट्स हो सकता है. इसे BS6 मानकों को पूरा करने वाले 1956बब के 2.0 लीटर का करयोटेक टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन के साथ लाया जाएगा.

टाटा सफारी फेसलिफ्ट

टाटा मोटर्स फरवरी महीने में टाटा सफारी फेसलिफ्ट को मार्केट में उतार सकती है. इसकी कीमत 15.85 लाख से लेकर 24.56 लाख तक हो सकती है. फिलहाल कार की टेस्टिंग हो रही है. इसें 2.0 लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन होगा. इसमें एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम और 360 डिग्री व्यू कैमरा को शामिल किया जा सकता है.

मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा ब्लैक एडिशन

मारुति सुजुकी फरवरी महीने में ग्रैंड विटारा को ब्लैक एडिशन में लॉन्च करने वाली है. इस गाड़ी में सभी फीचर्स मौजूद मॉडल वाले ही हैं. इसमें हाइब्रिड तकनीक के साथ 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन दिया गया है. इसकी कीमत 10.45 लाख से लेकर 19.49 लाख रुपए तक हो सकती है.

मारुति सुजुकी इग्निस ड्यूल जेट

मारुति सुजुकी अपनी इग्निस ड्यूल जेट को फरवरी महीने में लॉन्च हो सकती है. इसकी कीमत 5.50 लाख रुपए से लेकर 7.80 लाख रुपए तक हो सकती है. इस कार में मारुति सुकुजी इग्निस जैसे ही फीचर्स हैं. ये कार 4 अलग-अलग रंगों में होगी. इसमें पावर स्टियरिंग, पावर विंडोज फ्रंट, एयर कंडीशनर, एयरबैग है.

टाटा पंच टर्बो

टाटा पंच की भारी ब्रिकी के बाद फरवरी में कंपनी टाटा पंच टर्बो लॉन्च कर सकती है. इसकी कीमत 5.49 लाख रुपए से लेकर 9.39 लाख रुपए तक हो सकती है. टाटा पंच टर्बो रेड, व्हाइट और ब्लैक कलर मे मिलेगी.

देसी दूल्हा और विदेशी दुल्हन ने रचाया हिंदू रीति से विवाह

फेसबुक के जरिये 10 साल पहले हुआ था प्यार

उत्तर प्रदेश के जनपद एटा में इन दिनों देसी दूल्हा और विदेशी दुल्हन की शादी को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं. जनपद एटा में स्वीडन की विदेशी दुल्हन और एटा के दूल्हे के साथ धूमधाम से पूरे हिंदू रीति रिवाज से सात फेरे लेकर एक दूसरे के साथ जीने मरने की कसमें खाईं.

आपको बता दें कि आवागढ़ निवासी पवन के पिता गीतम कस्बे में ही मोटरसाइकिल रिपेयरिंग का काम करते हैं. बीटेक पास पवन नौकरी के लिए देहरादून रहने लगा और वहीं 10 वर्षों पूर्व फेसबुक के जरिए स्वीडन की क्रिस्टल रेवाड़ी से पहले तो प्यार हो गया और फिर बाद में दोनों ने शादी के बंधन में बनने का निर्णय ले लिया.

पवन स्वीडन की लड़की से शादी करने का निर्णय अपने परिवार को सुनाया तो परिवार ने भी अपने बच्चों की खुशी को देखते हुए इस निर्णय को शहर स्वीकार कर लिया.

चंद दिनों पहले हिंदू रीति रिवाज से दोनों के विवाह की सारी रस्में अदा की गई और क्रिस्टल 7 फेरे लेकर दुल्हन बनकर पवन के घर पहुंच गई. देसी दूल्हा और विदेशी दुल्हन के इस विवाह से जहां परिवार वाले खुश हैं वहीं पूरे कस्बे में इस विवाह को लेकर के चर्चाएं जोरों पर हैं.

इस संबंध में दूल्हे के पिता गीतम सिंह ने बताया कि हम सभी लोग इस विवाह से सहमत हैं और बहुत खुश हैं.

पवन का कहना है कि शादी के लिए हमको 10 साल तक इंतजार करना पड़ा यह बात लगभग साल 2012 की है. जब फेसबुक पर हम दोनों की मुलाकात हुई, उसके बाद हम दोनों ने तय किया कि हमें शादी कर लेनी चाहिए.

इस संबंध में दुल्हन क्रिस्टल का कहना है कि वह इस शादी से बहुत खुश है.

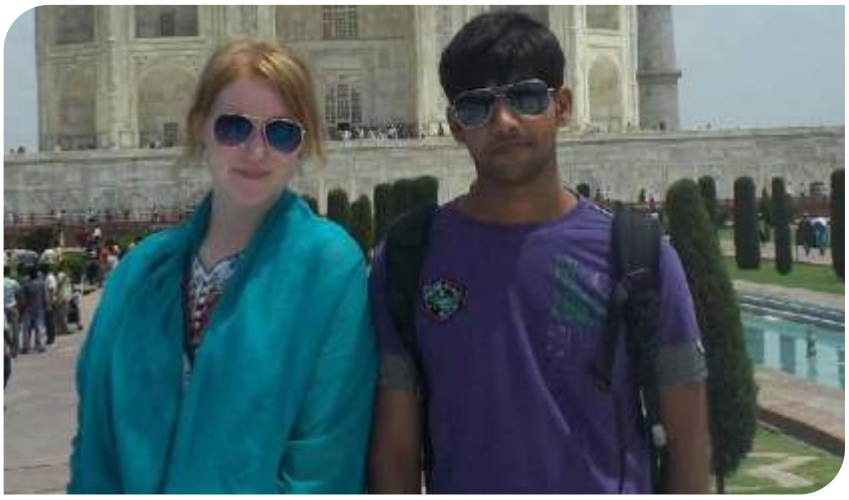

पिता की मौत के बाद बेटी ने शुरू किया ड्रेस डिजाइनिंग का काम आज नहीं हैं किसी पहचान की मोहताज

"मेरे हौसलों की उड़ान अभी बाकी है, मेरे सपनों में जान अभी बाकी है, अभी तो धरती को नापा है जनाब, पूरा आसमान अभी बाकी है." ये लाइनें मुजफ्फरपुर की फैशन डिजाइनर आभा चौधरी की चरितार्थ हैं. आभा चौधरी ने जीवन के झंझावातों से अपने लिए और अपने पूरे परिवार के लिए एक ऐसा रास्ता तैयार किया जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे.

पिता की मौत के बाद घर संभाल

कहानी में मोड़ तब आया जब आभा चौधरी के पिता की मौत हो गई. अकेले पड़ी आभा अभाव में जीवन गुजारने लगीं. परिवार की बड़ी बेटी होने के नाते परिवार की सारी जिम्मेदारी आभा के कंधों पर आ गई. परिवार की बड़ी बेटी होने के नाते परिवार और कारोबार दोनों संभालना था. बहनों की उम्र ढाई साल, 5 साल, 18 और 16 साल थी. सबको पालना आभा की जिम्मेदारी थी.

खुद के दम पर शुरू किया ड्रेस डिजाइनिंग बिजनेस

फिर आभा ने अभाव में अवसर खोजा और खुद आत्मनिर्भर बनकर ऐसी कहानी लिखी कि पूरा परिवार पटरी पर आ गया. आज आभा को कौन नहीं जानता. अपनी जिद और अभाव में चल रही जिंदगी को संघर्ष के बलबूते ऐसे मुकाम पर ला दिया जहां सफलता ही सफलता कदम चूम रही है. आभा ने सबसे पहले अपने जीवन को बलिदान के हवाले किया. अपने सपने को, अपने इंगेजमेंट को तोड़ दिया. डिजाइनर कपड़ा तैयार करने लगी. प्रदर्शनी में जाने लगी. खुद का एग्जिबिशन लगाना शुरू कर दिया. प्रदर्शनी से ही ऑर्डर मिलने लगा और उत्साह और बढ़ा तो दिल्ली और पटना के कई शोरूम से डिमांड आने लगी.

कई परिवारों को दे रही हैं रोजगार

आभा आमदनी बढ़ने के बाद सबसे पहले बहनों को सेटल किया और एक बहन को मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब मिली. आज आभा परिवार और कारोबार दोनों संभाल रही हैं. आभा ने बताया कि अब उनकी जिंदगी सही पटरी पर हैं. डिजाइनर कपड़े के क्षेत्र में पहचान बना चुकी आभा ने खुद का एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू किया. आभा आज की तारीख में खुद को संभालने के साथ कई परिवारों को रोजगार मुहैया करा रही हैं. जिंदगी को जीवटता के साथ जीने वाली आभा आज दूसरे के घरों में रोशनी बिखेर रही हैं.

लाखों की नौकरी छोड़
देशी स्नैक्स समोसे का बिजनेस शुरू किया

45 करोड़ का है सालाना टर्नओवर

मूल रूप से हरियाणा से हैं निधि और शिखर

साल 2009 में शिखर को आया था यह आइडिया

नई दिल्ली. गांव हो या शहर, गली का ठेला हो या कोई होटल, चाय के साथ हो या कोल्ड ड्रिंक के साथ, सिर्फ एक ही भारतीय स्नैक है जो कभी आपको निराश नहीं करता है. और यह है समोसा. बच्चे से लेकर बड़ों तक, हर किसी को समोसा पसंद होता है.

भले ही नार्थ इंडियन्स को समोसा थोड़ा ज्यादा अपना लगता है लेकिन साउथ में भी यह उतना ही फेमस है. लेकिन फिर भी क्या कोई सोच सकता है कि छोटी सी टपरी तक पर मिल जाने वाले समोसे से कोई करोड़ों का बिजनेस खड़ा कर दे?

जी हां, यह कारनामा किया है बंगलुरु में रहने वाले एक कपल ने. निधि सिंह और शिखर वीर सिंह, दोनों पति-पत्नी मूल रूप से हरियाणा के रहने वाले हैं. दोनों ने साथ में ग्रेजुएशन की और दोस्ती से राहें पहले प्यार और फिर शादी तक पहुंच गईं. अच्छी खासी नौकरी करके खुशहाल जिंदगी बिताने वाले ये पति-पत्नी अब बिजनेस पार्टनर्स हैं. और इनके ब्रांड का नाम है समोसा सिंह.

पढ़ते समय ही आया था आइडिया

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शिखर ने ग्रेजुएशन के बाद हैदराबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज से बायोटेक्नोलॉजी में एमटेक किया है और इसके बाद वह भारत की सबसे बड़ी बायोटेक फर्मों में से एक बायोकॉन में प्रिंसिपल साइंटिस्ट के रूप में नौकरी कर रहे थे. वहीं, निधि अमेरिका की एक फार्मा कंपनी में नौकरी कर रही थी जिसका बेस गुरुग्राम था.

मास्टर्स के समय ही शिखर को हैदराबाद में समोसे का बिजनेस करने का आइडिया आया. उन्होंने निधि को इस बारे में बताया लेकिन निधि ने उन्हें मजाक में टाल दिया कि उनके पिता एक समोसे वाले से उनकी शादी नहीं करेंगे. और शिखर ने नौकरी ले ली. साल 2010 में दोनों ने शादी की.

लेकिन शिखर के दिमाग से बिजनेस आइडिया नहीं किया. साल 2015 में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और अपने बिजनेस आइडिया पर काम किया. निधि ने भी उन्हें सपोर्ट किया. फरवरी 2016 में उन्होंने बेंगलुरु में समोसा सिंह का पहला आउटलेट लॉन्च किया.

अपने घर को बेचकर की इंवेस्टमेंट

दंपति ने अपनी बचत के साथ इस आउटलेट को शुरू किया था. लेकिन जल्द ही उन्हें बड़ी किचन शुरू करने की जरूरत लगी. इसके लिए उन्होंने अपने अपार्टमेंट को बेच दिया जिसे उन्होंने बहुत मेहनत से खरीदा था. वे मुश्किल से सिर्फ एक दिन उस घर में रहे और फिर इसे बेचकर अपने बिजनेस में पैसा लगाया.

लेकिन इन दोनों को इस बात का कोई अफसोस नहीं है क्योंकि उन्हें खुद पर भरोसा था. जब बिजनेस चलने लगा तो निधि ने 2017 में अपनी 30 लाख रुपए सालाना पैकेज की नौकरी को छोड़कर बिजनेस पर फोकस किया. आज उनका बिजनेस 4 गुना ग्रोथ रेट से बढ़ रहा है.

45 करोड़ का सलाना टर्नओवर

आज, निधि और शिखर के पास बेंगलुरु में एक ऑटोमेटेड किचन है जहां वे हर महीने 30,000 समोसे बेच रहे हैं. इस साल उनका टर्नओवर 45 करोड़ रुपए तक रहेगा. उन्होंने जिन दो कुक्स के साथ अपना बिजनेस शुरू किया था, आज वे उनके प्रोडक्शन हेड हैं. उन्होंने बहुराष्ट्रीय कंपनियों, एयरलाइंस और मल्टीप्लेक्स को आपूर्ति शुरू की और साल दर साल बिक्री बढ़ती गई.

महामारी के बाद, उन्होंने और शहरों में बिजनेस फैलाया. आज, उनके पास लगभग 50 क्लाउड किचन हैं और मुंबई, पुणे और चेन्नई सहित आठ शहरों में मौजूद हैं.

महाराष्ट्र के किसान ने 1 लाख रुपए निवेश कर 525 करोड़ रुपए टर्नओवर वाली कृषि कंपनी बनाई

मुंबई. असफलताओं और निराशाओं को नकारते हुए कृषि से स्नातकोत्तर की पढ़ाई में गोल्ड मेडल हासिल कर चुके विलास शिंदे किसानों की भलाई के लिए काम करने के अपने सपने पर कायम रहे और अपने प्रयासों में सफल रहे.

2010 में उन्होंने 1 लाख रुपए के निवेश और 100 किसानों के साथ मिलकर एक किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) के रूप में सह्याद्री फार्म्स शुरू किया. यह एक सहकारी समिति और निजी लिमिटेड कंपनी का मिलाजुला रूप है. यह कंपनी पूरी तरह किसानों के स्वामित्व की है. गैर-किसान इसका हिस्सा नहीं हैं. आज, सह्याद्री फार्म्स बड़ी सफलता की कहानी है. इसमें महाराष्ट्र के नासिक क्षेत्र के 10,000 किसानों के पास सामूहिक रूप से करीब 25,000 एकड़ जमीन है. वे रोज 1,000 टन फल और सब्जियां पैदा करते हैं.

सह्याद्री के किसान अंगूर की कई किस्मों जैसे थामसन, क्रिम्सन, सोनाका, बिना बीज वाले शरद, फ्लेम और एरा की खेती करते हैं. सह्याद्री फार्म्स के करीब 60% फलों और सब्जियों का निर्यात किया जाता है. बाकी 40% को भारत में बेचा जाता है. विलास कहते हैं, "हम रूस, अमेरिका और विभिन्न यूरोपीय देशों सहित 42 देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करते हैं."

शुरुआती सालों में सह्याद्री ने ज्यादातर अंगूर पर ध्यान केंद्रित किया, क्योंकि इसकी विदेशी बाजार में बहुत मांग थी.

अब, फल और सब्जियों के उत्पादन के अलावा सह्याद्री फार्म्स ब्रांड नाम से सब्जियों-फलों के विभिन्न प्रकार के मूल्य वर्धित उत्पादों जैसे पल्प, डाइसेस, फलों के रस, स्लाइस, केचप, फ्रोजन सब्जियां और फलों के जैम भी तैयार किए जाते हैं. कंपनी के अपने ब्रांडेड उत्पाद बेचने के लिए मुंबई, पुणे और नासिक में 12 स्टोर हैं. उत्पादों को अन्य खुदरा दुकानों में भी बेचा जाता है. हालांकि, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनके उत्पाद सिर्फ उनकी अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं.

विलास डायरेक्ट मार्केटिंग मॉडल पर काम कर रहे हैं, जिसे 2020 में कोविड लॉकडाउन के बाद से जोरदार बढ़ावा मिला है. अब उनके पास वेबसाइट और एप के जरिए ऑर्डर देने वाले अधिक ग्राहक हैं. विलास कहते हैं, "हम हर महीने करीब 38,000 होम डिलीवरी करते हैं." हाल के सालों में कंपनी विकास के पथ पर बढ़ चुकी है. उनके ग्राहक मुंबई, पुणे और नासिक में हैं.

2018 में, कंपनी ने 250 करोड़ रुपए के निवेश से नासिक के मोहदी में फ्रूट प्रोसेसिंग प्लांट लगाया. यह प्लांट 100 एकड़ में फैले परिसर में स्थित है. परिसर में किसान-हब भी है, जो किसानों को उनकी कृषि गतिविधियों में मदद करने की एक पहल है.

इस संयंत्र में स्वचालित मौसम स्टेशन, सेंसर और उपग्रह इमेजिंग शामिल की गई हैं. ये सिस्टम किसानों को समय पर मौसम की ताजा जानकारी देते हैं और फसलों को प्रकृति के प्रकोप से बचाने में मदद करते हैं. विलास कहते हैं, "सह्याद्री फार्म्स ने अपने किसानों को पैदावार 25 प्रतिशत बढ़ाने में मदद की है. आज, हमारे किसान थोक मंडियों में 35 रुपए की तुलना में अपने अंगूर के लिए औसतन 67 रुपए प्रति किलो कमाते हैं."

"जो किसान साल में सिर्फ 1 लाख रुपए कमाते थे, वह भी नियमित रूप से नहींय अब दोगुने से ज्यादा कमाते हैं और यह कमाई स्थिर है. वे अब वित्तीय रूप से असुरक्षित नहीं हैं." यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि अब किसानों और ग्राहकों के बीच कोई बिचौलिया नहीं है. विलास कहते हैं, "इसके अलावा, हमने मूल्य संवर्धन और उन्हें विदेशी बाजार सहित बड़े ग्राहकों के बीच बेचकर किसानों के उत्पादों का मूल्य बढ़ाया है."

सह्याद्री के जरिए विलास ने हजारों लोगों को रोजगार भी दिया है. कंपनी के विभिन्न विभागों जैसे अनुसंधान और विकास, उत्पादन, वित्त, मानव संसाधन और खुदरा में 1200 प्रत्यक्ष कर्मचारी और दैनिक वेतनभोगी व अनुबंध श्रमिकों सहित 3500 अप्रत्यक्ष कर्मचारी काम करते हैं.

मोदी सरकार ने बजट से लिखी चुनावी स्क्रिप्ट घर-पानी-इलाज से दिए 5 सियासी संदेश

रायपुर. नए वित्तीय वर्ष के लिए भारत का बजट पेश हो चुका है. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार 2.0 का अंतिम बजट देश के सामने रखा. घोषणाओं में आयकर व्यवस्था में बदलाव से लेकर पीने के पानी और आयुष्मान भारत तक कई योजनाएं शामिल हैं. अब बड़े आवंटन वाली इन कई योजनाओं में राजनीति की झलक नजर आ रही है. समझते हैं कि कैसे सरकार के बजट में 5 बड़े सियासी संदेश भी शामिल रहे.

घर भी पानी भी और इलाज भी

बुधवार को वित्तमंत्री सीतारमण ने पीएम आवास योजना में सबसे बड़ा इजाफा किया है और 79 हजार 950 करोड़ रुपये आवंटित करने का फैसला किया है. यह 2022 के 48 हजार करोड़ रुपये से 66 प्रतिशत ज्यादा है. कहा जा रहा है कि सरकार ने 2024 तक 2.94 करोड़ गरीब लोगों को घर देने का लक्ष्य रखा है.

जल जीवन मिशन पर सरकार नए वित्त वर्ष में 70 हजार करोड़ रुपये घर्च करने की बात कर रही है. इसके तहत 20 करोड़ घरों में 2024 तक नल से साफ पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है. बीते बजट के मुकाबले इसबार 10 हजार करोड़ रुपये का इजाफा किया गया है. कहा जा रहा है कि साल 2024 तक यह योजना भाजपा के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है.

आयुष्मान भारत योजना पर सरकार का पिछला बजट 6 हजार 457 करोड़ रुपये था, जिसे इसबार बढ़ाकर 7200 करोड़ रुपये किया गया है. कहा जा रहा है कि करीब 4.5 करोड़ गरीब लोग योजना के तहत हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ उठा चुके हैं. किसान सम्मान निधि के लिए सरकार ने 60 हजार करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है.

हालांकि, MNREGA का बजट घटाकर इस साल 60 हजार करोड़ रुपये किया गया है. जबकि, बीते बजट में यह आंकड़ा 73 हजार करोड़ रुपये था. संभावनाएं जताई जा रही हैं कि विपक्षी दल सरकार को इस मुद्दे पर घेर सकते हैं.

जनजातीय मुद्दे पर खास जोर

सरकार ने नई प्रधान मंत्री पर्टिकुलर्ली वलनरेबल ट्राइबल ग्रुप्स (PMPVTG) का ऐलान किया है. खास बात है कि 2023 में 9 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और कई जगहों जनजातीय आबादी बड़ी संख्या में है. इसके अलावा एकलव्य मॉडल रेसिडेंशियल स्कूलों के लिए भी आवंटन को 5 हजार 943 करोड़ रुपये कर दिया गया है.

आयकर में बदलाव

वित्तमंत्री ने कहा था, '7 लाख रुपये तक कमाने वाले लोगों को नई टैक्स व्यवस्था में कोई आयकर नहीं देना होगा.' उन्होंने बताया कि 9 लाख रुपये कमाने वाले को लेकर 45 हजार रुपये आयकर देना होगा, जो आय का 5 फीसदी हिस्सा है. उन्होंने बताया कि स्लैब में 25 फीसदी की कटौती की गई है. कहा जा रहा है कि वेतनभोगियों के बीच सरकार की यह घोषणा अहम साबित हो सकती है.

1 अप्रैल से होम लोन के इंटरेस्ट और प्रिंसिपल पेमेंट पर डबल टैक्स बेनेफिट नहीं मिलेगा

होम लोन के टैक्स बेनेफिट को लेकर यूनियन बजट 2023 में एक बड़ा ऐलान किया गया है. इस ऐलान का मतलब यह है कि 1 अप्रैल, 2023 से होम लोन के इंटरेस्ट पेमेंट और प्रिंसिपल पेमेंट के डबल टैक्स बेनेफिट को क्लेम नहीं किया जा सकेगा. ज्यादातर लोग घर खरीदने के लिए बैंक या एनबीएफसी से होम लोन लेते हैं. इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 24 के तहत होम लोन के 2 लाख रुपये तक के इंटरेस्ट पर डिडक्शन क्लेम किया जा सकता है. इसके अलावा होम लोन के प्रिंसिपल अमाउंट, स्टैंप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन चार्ज को भी सेक्शन 80सी के तहत बतौर डिडक्शन क्लेम करने की इजाजत है.

जब टैक्सपेयर घर बेचता है तो उसे बनाने या खरीदने पर आने वाले खर्च को कैपिटल गेंस के कैलकुलेशन में बतौर कास्ट ऑफ पर्चेज डिडक्शन क्लमे करने की इजाजत है. इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने यह नोटिस किया है कि कुछ टैक्सपेयर्स प्रापर्टी के कंस्ट्रक्शन या पर्चेज पर चुका गए इंटरेस्ट पर डबल डिडक्शन क्लेम कर रहे हैं. पहले वे सेक्शन 24 के तहत होम लोन के इंटरेस्ट पर डिडक्शन क्लेम करते हैं. फिर, इनकम टैक्स एक्ट के चौप्टर VIA के प्रावधानों के तहत भी डिडक्शन क्लेम करते हैं.

यूनियन बजट में जो संशोधन का प्रस्ताव पेश किया गया है उसमें कहा गया है कि इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 48 के तहत जो अमाउंट इंटरेस्ट के रूप में सेक्शन 24 के तहत या चौप्टर वाईआईए के तहत बतौर डिडक्शन क्लेम किया जाता है उसे प्रापर्टी को बेचते वक्त कास्ट ऑफ एक्विजिशन नहीं माना जाएगा.
इसलिए अगर हाउसिंग लोन के इंटरेस्ट पर सेक्शन 24 के तहत पिछले सालों में डिडक्शन क्लेम किया गया है तो उसे कास्ट ऑफ पर्चेज का हिस्सा नहीं माना जाएगा. यह संशोधन इनकम टैक्स एक्ट के चौप्टर VIA के तहत डिडक्शन पर भी इस तरह लागू होगा :

- सेक्शन 80सी के तहत बैंक, हाउसिंग लोन कंपनी आदि से लिए गए लोन के प्रिंसिपल अमाउंट का रिपेमेंट.
- सेक्शन 80सी के तहत रेजिडेंशियल हाउस को खरीदने पर स्टैंप ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन फी और चुकाए गए दूसरे एक्सपेंसेज.
- यह संशोधन 1 अप्रैल, 2023 से लागू होगा. यह फाइनेंशियल ईयर 2023-24 या एसेसमेंट ईयर 2024-25 में लागू रहेगा.

इस बदलाव के बाद घर खरीदने वाले व्यक्ति को पिछले सालों में क्लेम किए गए डिडक्शन के सभी रिकार्ड्स और कंप्यूटेशंस अपने पास रखने होंगे. इनकम टैक्स अधिकारी घर बेचने के साल में आपसे यह सभी डाक्युमेंट्स मांग सकते हैं.

फ्री में हांगकांग घूमने का मौका किस तरह से आप कर सकते हैं हासिल

विदेश घूमने का है मन? इस देश की सरकार बांट रही मुफ्त में एयर टिकट

नई दिल्ली. हांगकांग में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त यात्रा का ऑफर दिया जा रहा है. पर्यटकों को आकर्षित करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हांगकांग 500,000 फ्री हवाई टिकटों की घोषणा करने की योजना बना रहा है. ब्लूमबर्ग ने एक सरकारी बयान के हवाले से बताया कि हांगकांग के नेता जॉन ली हैलो हांगकांग अभियान की देखरेख करेंगे.

इतनी होगी टिकटों की कीमत

इस पूरे अभियान में शहर भर में 200 से अधिक कार्यक्रम होंगे. 5 लाख मुफ्त हवाई टिकटों में से ज्यादातर कैथे पैसिफिक एयरवेज और इसकी एयरलाइन एचके एक्सप्रेस द्वारा दिए जाएंगे. इन टिकटों की कीमत करीब 254.8 मिलियन डॉलर होगी. रिपोर्ट में कहा गया है कि ये हवाई टिकट चीन, यूरोप और अमेरिका सहित एशिया के यात्रियों को दिए जाएंगे. हांगकांग एयरपोर्ट के अधिकारी उन यात्रियों को टिकट प्रदान करेंगे जो इनबाउंड और आउटबाउंड दोनों यात्रा कर रहे हैं.

पर्यटकों की संख्या बढ़ाना है मकसद

इस पूरे अभियान का उद्देश्य शहर की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के साथ-साथ 2019 में हिंसक विरोध के बाद इसकी वैश्विक छवि को सुधारना है. हांगकांग के मशहूर पर्यटन स्थलों में हांगकांग डिज्नीलैंड, मैडम तुसाद म्यूजियम, टेंपल स्ट्रीट नाइट मार्केट, मांग-कॉक, स्टेनली मार्केट तथा स्टैनली बीच, ओशियन पार्क और पीक टावर है.

कोविड नियमों में दी गई है ढील

कोविड महामारी के आने से पहले लगभग 56 मिलियन लोग हर साल शहर घूमने आते थे. उस समय हांगकांग एशिया का सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा था. लेकिन कोविड-19 नियमों के कारण हांगकांग दुनिया के बाकी हिस्सों से काफी हद तक अलग पड़ गया था. हांगकांग आने वाले यात्रियों को अपने खर्च पर एक होटल के कमरे में 21 दिन बिताने की जरूरत होती थी.

नक्सलियों ने कर दी थी पिता की हत्या
अब उसी इलाके में लोगों की सेवा कर रही डॉक्टर बेटी

रायपुर. नक्सलियों ने जहां पिता की हत्या कर दी थी, बेटी डॉक्टर बन उसी क्षेत्र में आदिवासी समाज की सेवा कर रही है. महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में नक्सल संवेदनशील भामरागढ़ तहसील के हजारों मरीज डॉ. भारती मालू बोगामी के सेवा से लाभान्वित हो रहे हैं. उच्च शिक्षा लेकर समाजसेवा का निश्चय कर अन्य युवाओं के लिए डॉ. भारती एक आदर्श बन चुकी हैं.

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में भामरागढ़ तालुका नक्सली हिंसा से संवेदनशील इलाका माना जाता है. इस क्षेत्र में सुदूर आरेवाड़ा प्राइमरी हेल्थ सेंटर के तहत आने वाले मरकनार प्राइमरी हेल्थ यूनिट में कार्यरत हैं डॉक्टर भारती मालू बोगामी. डॉ. भारती के पिता लाहेरी गांव के सरपंच थे. जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष थे. माडिया गोंड आदिवासी समुदाय में वे खासे परिचित थे. नक्सलियों ने सरपंच पिता को 2002 में मौत के घाट उतार दिया. इसी समय भारती की बारहवी की परीक्षा चल रही थी. दृढ़ निश्चय के साथ डॉक्टर भारती ने पिता के मौत के दूसरे दिन के परीक्षा देकर अच्छे अंक हासिल किए. बदतर वित्तीय हालात का सामना और ब्रेन टचूमर के बीमारी के बावजूद भारती ने पुणे के बीएसडीटी आयुर्वेद महाविद्यालय से 2011 को बीएएमएस डिग्री हासिल की.

इसके तुरंत बाद डॉ. भारती गढ़चिरौली के इलाके में लौट आई, जहां उनके पिता की नक्सलियों ने हत्या की थी. अपने आदिवासी समाज में जाकर सेवा करने का उनका निश्चय अब रंग ला रहा है. जहां कई आदिवासी युवा उच्च शिक्षा को लेकर जागरूक हो गए हैं. मरकनार प्राइमरी हेल्थ सेंटर में डॉ. भारती अपने डॉक्टर पति के साथ हजारों आदिवासी मरीजों का इलाज कर रही है. विख्यात समाजसेवी बाबा आमटे उनकी प्रेरणा हैं. जिस इलाके में सड़के और मोबाइल नेटवर्क भी नहीं है ऐसे क्षेत्र में डॉ. भारती निरंतर सेवा कर रही हैं. 24 घंटे कार्यरत रहते हुए स्वास्थ्य शिविर और ऑपरेशन कर दुर्गम क्षेत्र में इलाज आसान बना रही हैं. आदिवासी दुर्गम इलाकों में डॉक्टर्स की कमी है. लेकिन कोई डॉक्टर यहां आने के लिए नहीं तैयार नहीं है. ऐसे में नक्सली संवेदनशील और पिता की हत्या की जगह सेवा का अलख जगाने वाली डॉक्टर भारती का आदिवासी समुदाय में अभिनंदन हो रहा है.

डॉ. भारती के इस निश्चय का उनके पति डॉ. सतीश ने भली-भांति साथ दिया है. इन दोनों की पोस्टिंग जॉइनिंग के समय अलग-अलग जगह थी. लेकिन मूलतः महाराष्ट्र के बीड़ जिले के निवासी डॉक्टर सतीश को गढ़चिरौली जिले के आदिवासी समाज की तकलीफों का भारती के बातों से परिचय हुआ था. जिसके चलते अतिदुर्गम पिछड़े, नक्सली संवेदनशील इलाके में दोनों ने अपनी पोस्टिंग इच्छा से करा ली. अब आदिवासी समाज में बेहतर शिक्षा का वातावरण बने और कोई मरीज बिना इलाज के ना रहे इस और यह दंपति ध्यान दे रहा है. फिलहाल डॉ. सतीश भामरागढ़ तहसील आरेवाड़ा प्राइमरी हेल्थ सेंटर पर मेडिकल ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं.

महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला पिछले 4 दशकों से नक्सली हिंसा से जूझ रहा है. आदिवासी समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव भी प्रगति में बाधा बना है. डॉ. भारती ने इस स्थिति में बदलाव के लिए कदम उठाया है. जिसके फलस्वरूप आदिवासी समाज में शिक्षा के प्रति नई अलख भी जगी है. नक्सली हिंसा से दूर आदिवासी युवाओं को शिक्षा की मूल धारा में लाने का डॉक्टर दंपत्ति का प्रयास सुनहरे भविष्य की ओर इशारा कर रहा है.

अडानी को पछाड़कर मुकेश अंबानी बने एशिया के सबसे अमीर शख्स

मुंबई. भारतीय अरबपति गौतम अडानी ने बुधवार को एशिया के सबसे अमीर शख्स होने का तमगा खो दिया. उनकी सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में और गिरावट आई, जबकि उनका कारोबार अमेरिकी इंवेस्टमेंट रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए गंभीर धोखाधड़ी के आरोपों से जूझ रहा है.

मुकेश अंबानी बने एशिया के सबसे अमीर शख्स

फोर्ब्स के रियल-टाइम ट्रैकर के अनुसार, भारत में बुधवार दोपहर तक अडानी की कुल संपत्ति 13 बिलियन डॉलर कम होकर 75.1 अरब डॉलर रह गई है. दिन की शुरुआत में वे आठवें स्थान पर थे और दोपहर तक वे इस सूची में 15वें स्थान पर आ गए. 83.8 बिलियन डॉलर की अनुमानित संपत्ति के साथ मुकेश अंबानी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए. वे इस सूची में नौवें स्थान पर हैं. कुछ ही दिनों पहले तक अडानी इस लिस्ट में चौथे नंबर पर थे, लेकिन अब वे मुकेश अंबानी से भी एक स्थान नीचे फिसल गए हैं.

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद फिसले शेयर

अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग (Hindenburg) ने 24 जनवरी 2023 को एक रिपोर्ट पब्लिश की. इसमें अडानी ग्रुप को लेकर 88 सवाल किए गए और कर्ज को लेकर भी दावे किए गए. इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई. बता दें, अडानी समूह के प्रमुख अदानी एंटरप्राइजेज ने बुधवार को 25% की गिरावट दर्ज की. समूह की छह अन्य फर्म-अडानी पोर्ट्स, अडानी विल्मर, अडानी पावर, अडानी ट्रांसमिशन, अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी टोटल गैस भी नुकसान में थीं.

ये हैं टॉप 10 अरबपतियों की लिस्ट

फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की लिस्ट में टॉप 10 अमीरों की सूची में बर्नार्ड अरनाल्ट एंड फैमिली पहले स्थान पर हैं. दूसरे पर एलन मस्क, तीसरे पर जेफ बेजोस, चौथे पर लैरी एलिसन, पांचवें स्थान पर वारेन बफे, छठे स्थान पर बिल गेट्स, सातवें स्थान पर कार्लोस स्लिम हेलु एंड फैमिली, आठवें स्थान पर लैरी पेज नौवें स्थान पर मुकेश अंबानी और दसवें स्थान पर गौतम अडानी का नाम है.

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..

आम आदमी पत्रिका

अब रायपुर में हो रही है ROBOTIC KNEE REPLACEMENT SURGERY

CENTRAL INDIA'S FIRST FULLY AUTOMATIC JOINT REPLACEMENT ROBOT

- Minimal Invasive Subvastus (छोटे चीरे द्वारा) Technique
- Optimal Accuracy with precise cutting
- Longevity - Proper Alignment & Soft Tissue Balancing
- Minimum pain -Adductor canal Block द्वारा pain management
- Pursue golden life - Robot द्वारा Gold Knee replacement

DAY 1 PATIENT ADMISSION & CT SCAN ROBOT PRE PLANING

DAY 2 MORNING : ROBOTIC SURGERY
EVENING : FIRST WALK AFTER 6 HOURS OF SURGERY

DAY 3 PATIENT STAIRS CLIMBING

DAY 4 PATIENT THERAPY SESSION

DAY 5 PATIENT DISCHARGE

हमारे अनुभवी विशेषज्ञों की टीम

डॉ. राम खेमका
M.S (Ortho)

डॉ. प्रीतम अग्रवाल
Robotic Joint Replacement Surgeon and Arthroscopic Surgeon

डॉ. सुनील खेमका
HOD, Department of Orthopaedics

डॉ. मनीन्द्र भूषण
M.S (Ortho) FNB (Spine Surgery)

डॉ.अम्बरीश वर्मा
M.S (Ortho)

SAIL (BSP), MD India (CashLess), Health Insurance TPA (Cashless) एवं सभी गवर्नमेंट योजनाओं, कॉरपोरेट संस्थाओं, इंश्योरेंस कंपनियों से मान्यता प्राप्त

गंज मंडी के पास, देवेन्द्र नगर, सेक्टर-5 के पीछे, पंडरी, रायपुर (छ.ग.) वेबसाईट : www.snh.org.in | संपर्क करें - 9300373737

छत्तीसगढ़ सरकार

द्वारा

23.5 लाख किसानों से 1 करोड़ 7 लाख 53 हजार मीट्रिक टन की रिकॉर्ड धान खरीदी

किसानों को धान खरीदी का 21,963 करोड़ रुपए का भुगतान

3 वर्षों में सरकार द्वारा किसानों को 16,415 करोड़ रुपए की इनपुट सब्सिडी का असर

बढ़ा किसान, बढ़ा रकबा, खेती अब फायदे का सौदा

कुल उपार्जित धान

2017-18	56.89 लाख मीट्रिक टन
2022-23	107.53 लाख मीट्रिक टन

धान बेचने वाले किसान

2017-18	12.06 लाख
2022-23	23.5 लाख

बेचे धान का रकबा

2017-18	19.36 लाख हेक्टेयर
2022-23	30.14 लाख हेक्टेयर

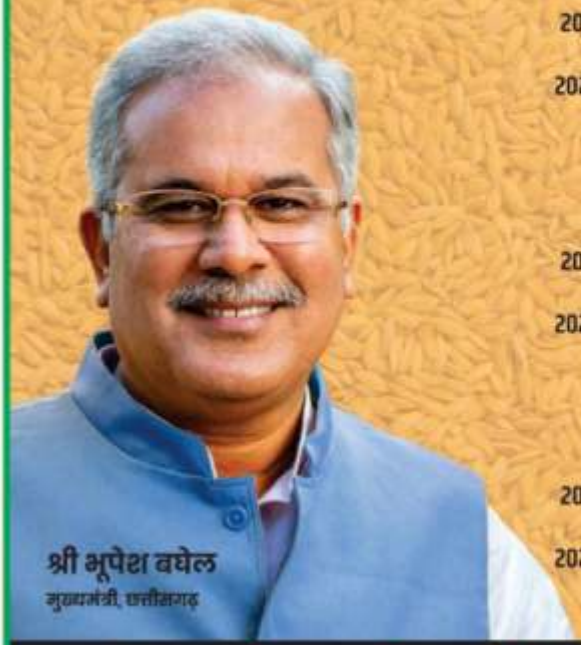

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

R.O. No. - 12302/62